डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमा- गुड लक जैरी' का ट्रेलर हुआ रिलीज

वर्ष -08 अंक -118 | प्रयागराज, शुक्रवार 15 जुलाई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग को उठा ले गए, मुस्लिम युवक से कराया निकाह

नई दिल्ली ।हिंदुओं ने किया जरदारी हाउस का घेरावपाकिस्तान में हिंदू लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और अपहरण के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। इसमें बहुसंख्यक समाज की भी मौन सहमति साफ नजर आती है पाकिस्तान में हिंदुओं पर जुल्म एक बार फिर बढ़ गए हैं। अब नवाशहर में 16 साल की एक लड़की का अपहरण कर उसका जबरन धर्मांतरण कराने और मुस्लिम युवक से शादी का मामला सामने आया है। इससे भड़के हिंदुओं ने पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के घर के बाहर प्रदर्शन कर ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने व अपहृत हिंदू लड़की को मुक्त कराने की मांग की।

आई2यू2 समूह में गेम चेंजर साबित होगी भारत की साझेदारी

नई दिल्ली । आई2यू2 समूह में भारत, इस्राइल, यूएई और अमेरिका शामिल हैं। इसकी स्थापना अक्तूबर 2021 में विदेश मंत्री एस जयशंकर की इस्राइल यात्रा के हिस्से के रूप में चार देशों के विदेश मंत्रियों की एक पहल के बाद की गई थी। नए आई2यू2 समूह का गठन एक ऐसा अहम विकास है जहां भारत के साथ अमेरिकी साझेदारी गेम चेंजर साबित हो सकती है। यह बात पूर्व इस्राइली एनएसए मेजर जनरल याकोव अमिद्रोर ने फोरम की पहली उच्च स्तरीय बैठक से पहले कही। गुरुवार यानी 14 जुलाई को इस समूह की बैठक होनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक में वर्चुअली रूप से शामिल होंगे।

महाराष्ट्र-गुजरात में बाढ़ से तबाही जारी, 11 जिलों में रेड अलर्ट

महाराष्ट्र। जानें आज किन राज्यों में होगी बारिश महाराष्ट्र और गुजरात में बारिश और बाढ़ का कहर जारी है। कई जगह भूस्खलन की घटना भी सामने आई है। मौसम विभाग ने मुंबई और पुणे समते महाराष्ट्र के 11 जिलों में 14 जुलाई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इस बीच गुजरात यह जानकारी दी। मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे के निर्माण में लगे जीएम इंफ्रास्ट्रक्चर के कर्मचारी अपने काम के तहत नदी में एक बजरे में घुसे थे, लेकिन पालघर जिले में भारी बारिश के बाद बुधवार को बढ़ते जल स्तर के कारण बहाडोली में फंस गए। अधिकारी ने पहले कहा था।महाराष्ट्र के भंडारा जिले के निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और प्रभावित लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाने का निर्देश दिया। क्षेत्रीय मौसम कार्यालय ने बृहस्पतिवार को भारी बारिश का अनुमान जताया है। मुंबई और आसपास के इलाकों में बुधवार सुबह से रुक रुक कर हो रही

के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल ने नवसारी के अलावा वलसाड़ और डांग जिलों में बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया। राज्य में तीन दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश के कारण गोदावरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है और भद्राचलम में तीसरे चेतावनी स्तर पर पहुंच गया है। देश में बाढ़ और बारिश से जुड़े पल-पल के अपडेट के लिए बने रहें अमर उजाला के साथ गुजरात के वलसाड में लगातार हो रही बारिश की वजह से जिले के निचल इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। औरंगा नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इसके अलावा दमन गंगा नदी पर बने मधुबन बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया है क्योंकि यह क्षेत्र भारी बारिश से प्रभावित है।राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने गुरुवार को महाराष्ट्र में उफनती वैतरणा नदी में फंसे एक निर्माण कंपनी के दस श्रमिकों को बचा लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने तुमसर में आज एसडीआरएफ की टीम ने 15 लोगों को बचाया। वे वहां बाढ़ के कारण एक मंदिर में फंस गए थे। बीएमसी ने मुंबई में बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। बीएमसीँ(श्ण) ने कहा है कि महानगर में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। कभी-कभी तेज हवाएं 45-55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। कर्नाटक में बारिश और बाढ़ की वजह से अब तक 32 लोगों की जान जा चुकी है। मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने लोगों की मदद के लिए तत्काल प्रभाव से 500 करोड़ रुपये जारी किए हैं। यहां बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को भी राज्य के बड़े हिस्से में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को बारिश और बाढ़ से उत्पनन्न हालात का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी जरूरी सेवाओं को अलर्ट पर रखने का बारिश के कारण निचले इलाकों पानी भर गया। पूरे शहर में सड़कों पर भीषण जाम के कारण जनजीवन प्रभावित रहा। मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली लोकल ट्रे के अप्रभावित रहने से लोगों को थोड़ी राहत है। हार्बर लाइन पर ट्रेनों की रफ्तार धीमी रही। मौसम विभाग के मुताबिक 14 तारीख को तेलंगाना और पश्चिमी मध्य प्रदेश में तेज बारिश की संभावना है। वहीं 14 से 17 जुलाई के बीच महाराष्ट्र के विदर्भ में वर्षा होगी। इस बीच छत्तीसगढ़, ओडिशा, कोंकण और गोवा के साथ गुजरात में भी भारी बारिश हो सकती है। गुजरात में अभी बाढ़ से निजात मिलने वाला नहीं है। मौसम विभाग का कहना है कि 14 जुलाई को पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। वहीं अगले तीन दिनों तक उत्तराखंड में मध्यम से भारी वर्षा के आसार हैं। 15 जुलाई को पश्चमी उत्तर प्रदेश में भी बारिश हो सकती है।

भागवत पर बरसे ओवैसीः बोले- केवल दो बच्चों वाली नीति नहीं चलेगी

नई दिल्ली । ओवैसी ने कहा कि अगर भारत सरकार दो बच्चों का मानदंड का बिल लाएगी तो मैं उसका बिलकुल समर्थन नहीं करूंगा क्योंकि यह भारत के बिल्कुल हक में नहीं होगा। जनसंख्या नियंत्रण को लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा दिए गए बयान के बाद सियासत गरमा गई है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीनर्(घ्ध्घ्) के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने अब पलटवार करते हुए धर्म परिवर्तन से क्यों डर रहेः ओवैसी ओवैसी ने कहा कि भागवत धर्म परिवर्तन से क्यों डर रहे हैं। धर्म परिवर्तन तो भारत के संविधान में एक मौलिक अधिकार है। अगर कोई अपना मजहब चेंज कर रहा है तो उससे आपको (भागवत) क्या तकलीफ हो रही है। कोई भगवान को मानता है, तो कोई अल्लाह को मानता है, कोई नहीं मानता है, यही तो भारत की खूबसूरती है। जानें क्या कहा था मोहन भागवत ने आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा था कि धर्म परिवर्तन अलगाववाद की ओर ले जाता है। धर्मांतरण व्यक्ति को जड़ों से अलग करता है। इसलिए, हमें धर्म परिवर्तन को रोकने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर हम चाहते है कि भारत, भारत के रूप में बना रहे,

मोहन भागवत की टिप्पणी को गलत बताया है। ओवैसी ने कहा कि अगर भारत सरकार दो बच्चों का मानदंड का बिल लाएगी तो मैं उसका बिलकुल समर्थन नहीं करूंगा क्योंकि यह भारत के बिल्कुल हक में नहीं होगा। भारत की जनसंख्या अपने आप गिर रही है और 2030 तक यह स्थिर हो जाएगी। चाहती है कि भारत का एक धर्म होः ओवैसीअसदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भारत की 50 फीसदी आबादी 25 वर्ष से कम उम्र के युवाओं की है, उनके लिए मोदी सरकार ने क्या किया बेरोजगारी इस देश का ज्वलंत मसला है। धर्म परिवर्तन से भारत का क्या ताल्लुक भारत का कोई धर्म है?ʼएए चाहती है कि भारत का एक धर्म हो। पता नहीं भागवत तो हमें वह होना चाहिए जो हम (सांस्कृतिक रूप से) है, नहीं तो भारत, भारत नहीं रहेगा। इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि 'धर्म' हर जगह व्याप्त हो। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन अस्पताल में भर्ती, 12 जुलाई को हुआ था कोरोनामुख्यमंत्री एम के स्टालिन 12 जुलाई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। जिसके बाद वह आइसोलेशन में थे। अब जांच के लिए अस्तपाल में भर्ती कराया गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह 12 जुलाई को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। अस्पताल के एक बुलेटिन के अनुसार, स्टालिन को कोविड संबंधी लक्षणों की जांच के लिए अल्वारपेट के कावेरी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

न्यूज चैनल के संपादक की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार

नई दिल्ली । राहुल गांधी की फर्जी क्लिप चलाने का मामलाराहुल गांधी की फर्जी क्लिप चलाने के केस में वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने पीठ से आग्रह किया कि मामले को तत्काल सूचीबद्ध किया जाए क्योंकि चैनल के संपादक को संरक्षित नहीं किया गया है। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को एक टीवी न्यूज चैनल के संपादक की उस याचिका पर सुनवाई के चैनल के न्यूज एंकर (रोहित रंजन) को इस मामले में दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान की गई है। शुक्रवार को होगी सुनवाई वहीं दलीलें सुनने के बाद पीठ संपादक की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई के लिए तैयार हो गई। बता दें कि न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी की अवकाशकालीन पीठ ने आठ जुलाई को रंजन को राहत

लिए राजी हो गया, जिसमें एक जुलाई को एक कार्यक्रम के प्रसारण के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की फर्जी क्लिप चलाने के लिए उन्हें समन जारी किए जाने को चुनौती दी गई थी। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने आग्रह किया कि मामले को तत्काल सूचीबद्ध किया जाए क्योंकि चैनल के संपादक को संरक्षित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि दी थी और विभिनन्‍ राज्य के अधिकारियों को गांधी की फर्जी क्लिप चलाने के लिए कई प्राथमिकी के संबंध में उनके खिलाफ कठोर कदम उठाने से रोक दिया था। एंकर को अंतरिम संरक्षण देते हुए, बेंच ने केंद्र और छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के राज्यों को भी नोटिस जारी कर रंजन की याचिका को रद्द करने या प्रसारण के संबंध में प्राथमिकी के लिए उनकी प्रतिक्रिया मांगी थी।

आजम की याचिका पर योगी सरकार को नोटिस

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जौहर यूनिवर्सिटी के एक मामले में यूपी सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि उसके आदेश का पालन किया गया या नहीं। शीर्ष अदालत ने सपा नेता आजम खान को जमानत के लिए उनकी रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएम खानविलकर और जस्टिस जेबी पारडीवाला की पीठ ने यूपी सरकार को 19 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही मामले की आगे सुनवाई 22 जुलाई को तय की गई।

यूनिवर्सिटी से सटी जमीन को कुर्क करने की शर्त पर रोक लगा दी थी। शत्रु संपत्ति कानून के तहत यह जमीन जब्त की गई थी। आजम खान ने शिकायत की है कि कोर्ट के स्टे आर्डर के बाद भी रामपुर स्थित इस जमीन से फेंसिंग नहीं हटाने के कारण यूनिवर्सिटी का कामकाज सही ढंग से नहीं हो पा इससे पहले शीर्ष कोर्ट की अवकाशकालीन पीठ ने 27 मई को इलाहाबाद हाईकोर्ट की शर्त पर रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट ने आजम खान की जमानत शर्त के तौर पर रामपुर के जिला कलेक्टर को निर्देश दिया था कि वे जौहर यूनिवर्सिटी परिसर से लगी जमीन को सरकार के कब्जे में लें।

श्रीलंका में फिर लगा कफ्र्यू, सड़कों पर उतरी सेना

नई दिल्ली । बख्तरबंद वाहन से रखी जा रही नजर श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के मालदीव छोड़कर सिंगापुर चले जाने के कयास लग रहे हैं। गुरुवार देर रात खबर आई कि वह मालदीव से सिंगापुर जाने के लिए एक निजी जेट की प्रतीक्षा कर रहे थे। आज सुबह तक के लिए ही था। श्रीलंका महासंकट से जुड़े पल-पल के अपडेट के लिए बने रहें अमर उजाला के साथ. श्रीलंका में उग्र प्रदर्शन के मद्देनजर सेना सड़क पर उतर गई है। बख्तरबंद वाहन से अब प्रदर्शनकारियों पर नजर रखी जा रही है। मालदीव के अधिकारियों

मालदीव के सूत्रों ने बताया कि देश छोडने में राजपक्षे की मदद मालदीव संसद के अध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नाशीद ने की। निर्वासन के दौरान नाशीद श्रीलंका में ही रहे थे। राष्ट्रपति और सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध के बीच श्रीलंका में देशव्यापी कफ्र्यू लगा दिया गया। हालांकि यह कफ्र्यू का कहना है कि श्रीलंका के राष्ट्रपति राजपक्षे सऊदी एयरलाइंस के विमान को सिंगापुर और फिर सऊदी अरब ले जा रहे हैं। श्रीलंका में प्रदर्शनकारी नरम पड़ गए हैं। प्रदर्शनकारियों की तरफ से कहा गया है कि वे आधिकारिक इमारतों को जल्द छोड़ देंगे, समाचार एजेंसी एएफपी ने अपनी रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। वहीं राष्ट्रपति गोतबाया ने अब तक इस्तीफे का एलान नहीं किया है। हालांकि, इस बीच गोतबाया ने बयान जारी करते हुए कहा है कि वे काफी दबाव में हैं और सिंगापुर पहुंचते ही इस्तीफा देंगे। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे को सिंगापुर ले जाने के लिए निजी विमान मालदीव पहुंचा है। थोड़ी देर में वे सिंगापुर के लिए रवाना हो जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि वे सिंगापुर पहुंचने के बाद इस्तीफे का एलान कर सकते हैं। श्रीलंकाई सैन्यकर्मी कोलंबो में प्रधानमंत्री की कुर्सी की रक्षा कर रहे हैं ताकि प्रदर्शनकारी इसपर हमला न बोल दे। श्रीलंकाई अधिकारियों ने गुरुवार को पश्चिमी प्रांत में राजधानी में हिंसा भड़कने के बाद लगाए गए कफ्र्यू को हटा लिया है। वहीं राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे, जो मालदीव भाग गए हैं, ने अभी तक अपना त्याग पत्र जमा नहीं किया है। श्रीलंका के संसद के स्पीकर को राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे से अभी तक इस्तीफा पत्र नहीं मिला है। इसकी जानकारी स्पीकर के कार्यालय की तरफ से दी गई है। राष्ट्रपति की रेस में आगे चल रहे विपक्षी नेता साजिथ प्रेमदासा ने कहा कि चीन ने श्रीलंका की कोई आर्थिक मदद नहीं की है लेकिन भारत ने हमारे संकट के समय हर संभव मदद करने की कोशिश की है। भारत ने अनाज और दवाई पहुंचाकर हमारे लोगों की बहुत मदद की है। इस दौरान प्रेमदासा ने पीएम मोदी, वित्त मंत्री और भारत की जनता का धन्यवाद किया।

जजों की आलोचना पर नहीं चलेगा अवमानना केस

नई दिल्ली । अटॉर्नी जनरल ने सहमति देने से किया इनकारबीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने नुपुर शर्मा की याचिका पर बेहद तल्ख मौखिक टिप्पणियां की थी। निलंबित भाजपा नेता नुपुर शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों की आलोचना को लेकर पूर्व जज व वकीलों के खिलाफ अवमानना का मुकदमा नहीं चलेगा। अवमानना केस के लिए जब अटॉर्नी जनरल करने के लिए उनसे सहमति मांगी थी। अपने जवाबी पत्र में एजी केके वेणुगोपाल ने कहा कि उक्त लोगों द्वारा की गई आलोचना निष्पक्ष थीं। उनके बयान अपमानजनक नहीं थे और न ही ये न्याय प्रक्रिया में हस्तक्षेप के इरादे से थे। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में माना है कि न्यायिक कार्यवाही की निष्पक्ष और उचित आलोचना अदालत की अवमानना नहीं मानी जाएगी। उक्त अपनाते हुए नुपुर के खिलाफ कठोर टिप्पणियां की थीं। शीर्ष कोर्ट ने नुपुर की याचिका खारिज करते हुए देशभर में मचे बवाल के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया था। नुपुर के वकील मनिंदर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि उनकी मुवक्किल की जान को खतरा है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उन्हें खतरा है या वह सुरक्षा के लिए खतरा

केके वेणुगोपाल से सहमति मांगी गई तो उन्होंने इससे इनकार कर दिया। बता दें, बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट ने नुपुर शर्मा की याचिका पर बेहद तल्ख मौखिक टिप्पणियां की थी। इन टिप्पणियों को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज एसएन धींगरा, पूर्व अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल अमन लेखी, वरिष्ठ वकील केआर कुमार ने सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की थी। वकील सीआर जया सुकिन ने अटॉर्नी जनरल को लिखे एक पत्र में इन तीनों के खिलाफ अदालत की आपराधिक अवमानना शुरू तीन व्यक्तियों द्वारा की गई आलोचना द्वेषपूर्ण है या ये जानबूझकर न्यायपालिका की छवि खराब करने का प्रयास है, इस बारे में वे संतुष्ट नहीं हैं। बता दें, पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित विवादित टिप्पणियों को लेकर नुपुर शर्मा के खिलाफ कई राज्यों में केस दर्ज किए गए हैं। नुपुर ने सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई थी कि सारे मामले दिल्ली ट्रांसफर कर दिए जाएं क्योंकि उसकी जान का खतरा है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने पूरे मामले को लेकर कड़ा रुख बन गई हैं उन्होंने जिस तरह से पूरे देश में भावनाओं को भड़काया है, देश में जो हो रहा है उसके लिए वह अकेली जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि नुपुर शर्मा द्वारा माफी मांगने और बयान वापस लेने में बहुत देर हो गई। उन्हें टीवी पर आकर देश से माफी मांगना चाहिए। नुपुर शर्मा ने पैगंबर के खिलाफ कथित टिप्पणी एक न्यूज चैनल की बहस के दौरान की थी। इसके बाद भाजपा ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया है।

पश्चिम एशिया के 'क्वाड' का शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली । इस समूह को यू2यू2 के नाम दिया गया है। इसमें 'आई' शब्द का इस्तेमाल इंडिया और इस्राइल के लिए और 'यू' का अमेरिका और युनाइटेड अरब अमीरात के लिए है। चारों देशों के नाम के पहले अक्षर को मिलाकर संगठन का यह नाम रखा गया है। पश्चिम एशिया के क्वाड माने जा रहे नवोदित 'आईटूयूटू' (यू2यू2) संगठन की पहली शिखर बैठक आज होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के अलावा इस्राइल के पीएम यैर लैपिड व यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भी शामिल होंगे। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि घ्2ळ2 देशों का यह समूह बेजोड़ है। इसके पहले सम्मेलन में वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए एक साथ कैसे काम कर सकते हैं? इस पर विचार होगा। खाद्य सुरक्षा संकट और स्वच्छ ऊर्जा को आगे बढ़ाने पर खासतौर से ध्यान दिया जाएगा।इस समूह को घ्2ळ2 के नाम दिया गया है। इसमें 'आई' शब्द का इस्तेमाल इंडिया और इस्राइल के लिए और 'यू' का अमेरिका और युनाइटेड अरब अमीरात के लिए है। चारों देशों के नाम के पहले अक्षर को मिलाकर संगठन का यह नाम रखा गया है।

अविनाशी को धारण करो तो तुम्हारा विनाश रुक जाए- परम पूज्य गुरुदेव स्वामी कमलेश्वरानन्द जी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। परम उत्सव गुरु पूर्णिमा महोत्सव में परम पूज्य गुरुदेव श्री स्वामी कमलेश्वरानन्द जी ने कहाँ कि ठअहोभाग्य जो जीव परमात्मा के बारे में सुनना देखना और उस अस्तित्त्व को समझाना चाहता है, अत्यधिक काल यदि उसके करीब बीते तो जीवन आनंद से पूर्ण बीते त् प्रेम की धारा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके माध्यम से उस जनक के अत्यंत करीब जाया जा सकता है, दिव्यता से पूर्ण मनोभाव ही आपको परमात्मा से जोड़ता है त् जीवन एक आनंद सागर की ओर बढ़ चलता है, व्यक्ति अविनाशी तत्व को अपनी चेतना में धारण कर ले तो उसका विनाश रुक जाए पर व्यक्ति जो कुछ भी इस संसार में प्रयास का माध्यम अपनाता है वो विनाश की ओर ही है परमात्मा तुम्हारे लिए आनंद का साधन वो तब बनेगा जब तुम्हारा अंतर्मन उसकी पुकार कर उठे, अभी तो तुम एक चिंतन जगत की व्यवस्था की करते हो, जगत की चेतना की नहीं त् तुम्हारा ज्ञान भी अधूरा है, कारण तुम ज्ञानी सिर्फ संसार के लिए बनना चाहते हो, ज्ञान अर्जन तुम्हारा स्वभाव नहीं त् जीवन को जब विशुद्ध रूप से खेल सकोगे तब तुम परमात्मा का परिचय स्वयं में पा सकोगे, जिस दिन स्वयं में तुम पाओगे उसी दिन तुम जीवन को पूर्ण कर जाओगे त् ठपरमात्म ब्रह्म सिद्धि दीक्षाठ जीवन की पूर्णता के लिए है जिसे प्राप्त करने के बाद मन तो रहेगा पर मन का मैल हट जायेगा, तन सुगंध से भर जायेगा और तुम्हारी सुगंध चारों दिशाओं को सुगन्धित कर जायेगी ब्रह्मप्रिया नम्रता कमलिनी जी ने कहा कि सद्गुरू में श्रद्धा विश्वास सेवा समर्पण से साधक शिष्य अपने जीवन में अवश्य ही सम्पूर्णता प्राप्त कर सकता, संसार में धन यश मान पद प्रतिष्ठा के साथ साथ सार सत्य शिव आनंद भी प्राप्त कर मानव जीवन को सार्थक कर लेता है, सद्गुरू कृपा से मेरा जीवन पूर्ण हुआ आप भी निश्चल मन से ब्रह्म स्वरूप पूज्य श्री गुरुदेव से जुड़ अपने जीवन को सम्पूर्ण कर लें, जिससे आप भी परम आनंद से भर जाएँ, आपके जीवन में भी सम्पूर्णता प्राप्त हो जाएँ

गुरु पूर्णिमा शिविर के अंतिम दिन कटरा रामलीला, राम वाटिका में इलाहाबाद की सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी ,फूलपुर की सांसद श्रीमती केसरी देवी पटेल पधारी। गुरुदेव कमलेश्वरआनंद के आशीर्वचन ओं को श्रवण किया, दूर प्रदेशों से आए साधक गणों का प्रयागराज की धरती पर समस्त प्रयाग वासियों की ओर से स्वागत अभिनंदन किया एवं इस प्रकार के आयोजन के लिए लालू मित्तल की सराहना की और इसे बहुत आवश्यक बताया धर्म के लिए और देश के लिए।शिविर के अंतिम दिन बहुत अधिक भीड़ भाड़ होने से अव्यवस्था भी हुई। भारी संख्या में साधक, भक्तजन, व्यापारी ,चिकित्सक ,अग्रवाल समाज, दवा व्यापारी , अधिवक्ता, शिक्षक,अनेक सामाजिक संगठन इनरव्हील क्लब, लायंस क्लब के सदस्यों ने कार्यक्रम में अति सुंदर भजनों गुरु प्रवचन का पूर्ण लाभ लिया। गुरुदेव से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आशीर्वाद एवं कुछ लोगों ने दीक्षा लिया ।गुरुदेव ने सांसद डॉ रीता बहुगुणा जोशी एवं सांसद श्रीमती केसरी देवी पटेल को अंगवस्त्रम एवं माल्यार्पण करते आशीर्वाद दिया तथा उन्हें अलौकिक पुस्तक ब्रह्म वाणी, भीगी पलकें एवं संस्थान के अनेक साहित्य भेट किए। कार्यक्रम संयोजक लालू मित्तल एवं श्वेता मित्तल ने गुरु वंदना की एवं ब्रह्मविद्या नम्रता कमली के साथ भक्ति भाव में डूब कर सभी साधकों के साथ नृत्य किया। इसी बीच अत्यधिक भाव और श्रद्धा के कारण नम्रता कमली अचेत हो गई। आज कार्यक्रम में प्रमुख रूप से व्यापारी नेता गल्ला तिलहन व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश केसरवानी ,रमेश केसरवानी ,ट्रांसपोर्ट यूनियन के अध्यक्ष अमर वैश्य मुनन भैया, पूर्व पार्षद अमित सिंह बबलू फन टाइम ,उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुशांत केसरवानी, इनरव्हील क्लब से सरिता प खुराना, प्रतिमा केसरवानी, रतन जयसवाल ,ज्योति श्रीवास्तव लायंस क्लब का प्रतिनिधित्व करते हुए हुकुम केसरवानी, प्रतिमा केसरवानी, कमलेश यादव ,इंदर मध्यान्ह ,राजीव सेठ, अजय अवस्थी ,रमेश श्रीवास्तव एवं अनेक लायन सदस्य उपस्थित रहे ।बार एसोसिएशन से अधिवक्ता अभिषेक शुक्ला, राजेश श्रीवास्तव ,सारिका शर्मा ने भागीदारी की। अग्रवाल समाज से प्रमोद बंसल ,अभिषेक मित्तल गोपाल मित्तल, शशांक मित्तल शुभांगी ,कामिनी जैन ,गीता अग्रवाल ,ओंकार नाथ अग्रवाल, अजय अग्रवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट रमेश चंद्र अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल बिल्डर पधारे। अपना दल (अनुप्रिया पटेल) से अशोक अग्रवाल ,अभिषेक अग्रवाल आदि लोग ने गुरु पूजन किया !वरिष्ठ समाजसेवी एवं पथर्चट्टी रामलीला कमेटी के उपाध्यक्ष बसंत लाल आजाद, मन फोल्ड गंजउद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष विमल गुप्ता, कटरा रामलीला समिति के अध्यक्ष सुधीर गुप्ता कक्कू भैया, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के महामंत्री रवि शर्मा विमल गुप्ता, विकास रावत विशाल अरोड़ा प्रयाग केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री आलोक कनौजिया वह अनेक फुटकर दवा व्यवसाई पार्षद आनंद अग्रवाल आदि उपस्थित रहे। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन ,प्रयाग केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक लालू मित्तल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया गुरु जी का आशीर्वाद और प्रसाद भेंट की। सभी अतिथियों को संस्थान के साहित्य और गुरु नामी उढा कर कर सम्मान किया। श्वेता मित्तल ने सभी पत्रकार ,छायाकार एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े सम्मानित लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।

जनपद के सभी क्षेत्रों में यथासम्भव नहरों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करायें-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने कैम्प कार्यालय के सभागार में जनपदों की नहरों में पानी की उपलब्धता के सम्बन्ध में सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने जनपद की हर नहरों में यथासंभव पानी उपलब्ध कराने की बात कही। बैठक में जनपदीय नोडल अधिकारी/अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड अरविन्द वर्मा ने बताया कि जनपद में सिंचाई विभाग को 7200 क्यूसेक की डिमांड के सापेक्ष 3389 क्यूसेक (47 प्रतिशत) पानी ही उपलब्ध हो पा रहा है जिससे एक ही समय पर सभी नहरों में पानी उपलबध कराया जाना सम्भव नहीं है। आगामी सप्ताह में भी वर्षा कम होने का सम्भावना जतायी जा रही है इसलिये नहरों की आन्तरिक रोस्टरिंग करके विभिनन नहर प्रणालियों में सप्ताहवार पानी पहॅुचाने का प्रयास सिंचाई विभाग द्वारा किया जा रहा है। अधिशासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड-51 द्वारा अवगत कराया गया कि चिलबिला एवं नागापुर रजबहा में इस समय पानी उपलब्ध कराया गया है ताकि किसानों को राहत मिल सके। अधिशासी अभियन्ता शारदा सहायक खण्ड-36 ने बताया कि जौनपुर रजबहा से पट्टी क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में इलाहाबाद शाखा व उससे निकलने वाली अल्पिकायें मानिकपुर राजबहा प्रणाली, ताजपुर राजबहा प्रणाली, प्रतापगढ़ शाखा (किमी0 16.000 तक) व उससे निकलने वाली अल्पिकायें सगरा राजबहा प्रणाली, मड़ियाहूं शाखा, सोरांव शाखा व उससे निकलने वाली अल्पिकायें रायपुर राजबहा प्रणाली, मऊआइमा राजबहा प्रणाली, घाटमपुर राजबहा प्रणाली, बिशुनपुर राजबहा प्रणाली, जायस राजबहा प्रणाली चालू है। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि यदि किसी अराजक तत्व द्वारा नहरों के प्रवाह में बंधे आदि लगाकर प्रवाह को बाधित किया जाता है तो इसे तत्काल हटवाकर पानी का प्रवाह सुनिश्चित कराये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी द्वारा नोडल अधिकारी/अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि जनपद में आने वाली सभी सिंचाई खण्डों की नहर प्रणालियों की स्थानीय स्तर पर इस तरह रोस्टिंग की जाये कि जनपद के सभी क्षेत्रों में यथासम्भव नहरों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों के चलने के सम्बन्ध में किसानों को संवेदनशीलता के साथ जानकारी उपलब्ध करायी जाये ताकि समय से किसान तैयारी कर सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, जनपदीय नोडल अधिकारी/अधिशासी अभियन्ता अरविन्द वर्मा, सिंचाई विभाग के समस्त अधिशासी अभियन्ता, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित सम्बान्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल योजना की समीक्षा की

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने कल कैम्प कार्यालय के सभागार में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति के साथ बैठक किया। बैठक में जिलाधिकारी जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।बैठक में अधिशाषी अभियन्ता जल निगम द्वारा पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में तैयार किये गये जे0एम0सी0 इण्डिया प्रा0लि0 के 23 नग डीपीआर एवं मेसर्स पावर मेक प्रोजेक्ट के 59 नग डीपीआर प्रस्तुत किये गये। जिलाधिकारी ने ग्रामीण पाइप पेयजल योजना के अन्तर्गत जेएमसी द्वारा बनाये गये डीपीआर ब्लाक आसुपर देवसरा के गौरामाफी तथा पावर मेक प्रोजेक्ट द्वारा बनाये गये डीपीआर ब्लाक सांगीपुर के परनीपुर, ब्लाक मंगरौरा के शंकरपुर व ब्लाक आसपुर देवसरा के पीथापुर में बनाये गये डीपीआर को पुर्नपरीक्षण कर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि फेज-2 के अन्तर्गत जिन ग्राम पंचायतों में जल जीवन मिशन का कार्य चल रहा है उसे पूर्ण करने के बाद ही फेज-3 के अन्तर्गत डीपीआर भेजवाया जाये। बैठक में मेसर्स जेएमसी इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि द्वारा परियोजनाओं के सम्बन्ध समुचित जानकारी उपलब्ध नही करा सके जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देशित किया कि जेएमसी के प्रतिनिधि के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाय। बैठक में जिलाधिकारी ने जानना चाहा कि जनपद में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत चल रही परियोजनाओं में कितने प्रोजेक्ट में सोलर पैनल और कितने में ट्रान्सफार्मर की व्यवस्था की गयी है इस सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता जल निगम स्पष्ट जानकारी नही दे सके जिस पर निर्देशित किया कि अगली बैठक में इसका विवरण उपलब्ध कराये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अधिशासी अभियन्ता जल निगम सुरेन्द्र कुमार, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के सिंगल स्टेप परिवहन योजना की समीक्षा की

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने कैम्प कार्यालय के सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत सिंगल स्टेप परिवहन योजना की समीक्षा किया। बैठक में डिप्टी आरएमओ द्वारा बताया गया कि माह जुलाई से एफसीआई के दो डिपों महुली एवं रानीगंज से सिंगल स्टेप परिवहन के अन्तर्गत सीधे ट्रकों के माध्यम से कोटेदारों की दुकानों तक खाद्यानन वितरण हेतु पहॅुचाने की व्यवस्था की गयी हैं। डिप्टी आरएमओ द्वारा बताया गया कि परिवहन हेतु टेण्डर के माध्यम से ठेकेदारों की नियुक्ति कर ली गयी है, खाद्यानन ले जाने वाले सभी ट्रकों में जीपीएस लगाया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ठेकेदार से राशन प्राप्त करते समय कोटेदार आनलाइन रिसीविंग करेगें तथा उससे सम्बन्धित अभिलेख तैयार करेगें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अनाज के परिवहन के समय किसी भी तरह के डेवीयेशन किये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी। खाद्यानन की गुणवत्ता तथा मात्रा जांच हेतु विपणन विभाग एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की ड्यूटी लगायी जाये जिसके लिये वे व्यक्तिगत जिम्मेदार होगे। उन्होने एफसीआई के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि खाद्यानन का समय से उठान सुनिश्चित करायें। बैठक में उपस्थित उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि ट्रकों का रोस्टर तैयार कराकर अपने निर्देशन में खाद्यानन का परिवहन एवं वितरण सुचारू रूप से किया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश सिंह, डिप्टी आरएमओ अजीत कुमार त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी रीना कुमारी, समस्त उपजिलाधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

102 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश मिश्रा

प्रयागराज। जसरा यूपी 32 1020 102एंबुलेंस एक बार फिर वरदान साबित हुई जानकारी के अनुसार गुडिया देवी 30 पतनी मंगलाः निवासी ग्राम बड़ी ललाई शंकरगढ़ प्रयागराज इन दिनों गर्भ से थी तो गुडि़या देवी को प्रसव पीड़ा होने पर अपने घर वालों को सूचना दी तो उसके घर वालों ने 102 एंबुलेंस को फोन करके एंबुलेंस बुलाया 102 एंबुलेंस के ईएमटी जगदीश प्रसाद पायलट विवेक शर्मा के साथ मौके पर पहुंचे और गुडिया को एंबुलेंस से ले जाने लगे तभी एम्बुलेंस लोहगरा गांव के समीप पहुँची ही थी कि

अचानक ममता का प्रसव पीड़ा बहुत बढ़ गया और ईएमटी जगदीश प्रसाद ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए चालक को गाड़ी किनारे खड़ी करने के लिए कहा और पायलट ने सड़क के किनारे एम्बुलेंस खड़ी कर दी और गांव की पुष्पा देवी आशा की मदद से एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया एक सुंदर पुत्री को जन्म दिया एवं प्रसव कराने के बाद जच्चा बच्चा दोनों को सुरक्षित सीएचसी शंकरगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित है । परिजनों ने एंबुलेंस के स्टाफ एवं एंबुलेंस व स्वास्थ्य सेवा का आभार प्रकट किया है।

खरीफ किसान गोष्ठी व कृषक वैज्ञानिक वार्ता 19 जुलाई को

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि कृषि की नवीनतम तकनीक से खरीफ 2022-23 में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उद्देश्य से एवं जनपद में कृषि निवेशों, खाद, बीज, सिंचाई, विद्युत इत्यादि की उपलब्धता एवं तकनीकी प्रचार प्रसार हेतु सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजनान्तर्गत दिनांक 19 जुलाई को पूर्वान्ह 11 बजे से कृषि विज्ञान केन्द्र ऐठू कालाकांकर में जनपद स्तरीय खरीफ किसान मेला, गोष्ठी एवं कृषक वैज्ञानिक वार्ता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस किसान मेला में विभागों द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित क्रियाकलापों एवं शासन द्वारा अनुमन्य सुविधाओं की जानकारी प्रदर्शनी/स्टाल के माध्यम से कृषकों को दी।

पाठा इलाके में भीषण जल संकट, करीब एक किलोमीटर से लाना पड़ता है पीने का पानी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। शंकरगढ़ के बिहारिया का पुरवा के लोगों को पानी के लिए करीब पौन किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। बिहारिया तथा आसपास के क्षेत्रों में सिर एवं कमर पर घड़ा लेकर कतार में जाती महिलाओं एवं बच्चों को अक्सर देखा जा सकता है। पाठा क्षेत्र के लोगों के दर्द के आगे तमाम कोशिशें और दावे बेमानी साबित हो रहे हैं। पानी के गंभीर संकट से जूझ रहे शंकरगढ़. लालापुर की कई बस्तियों के लोगों की पीड़ा को इससे ही समझा जा सकता है कि सावन में भी महिलाओं को पेयजल के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। जरूरत भर पानी के इंतजाम में ही उनका पूरा दिन गुजर जाता है। परिवार का एक सदस्य मजदूरी के लिए भी नहीं जा पाता। इस वजह से उनके परिवार के भरण पोषण का भी संकट खड़ा हो गया है

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज हेतु कलाकार 17 जुलाई तक आवेदन दें-डीएम

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा अपनी विविध स्वायत्तशासी संस्थाओं के माध्यम से विभिनन प्रदर्शनकारी कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य निरन्तर किया जाता है। ऐसी प्रदर्शनकारी सांस्कृतिक विधाओं यथा लोक गायन, लोक नृत्य, लोक वादन, आदिवासी नृत्य, आल्हा गायन, लोक नाट्य, भजन, ललित कला आदि के प्रतिभावान कलाकारों की खोज हेतु ''सांस्कृतिक प्रतिभा खोज का आयोजन जिला स्तर पर क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में दिनांक 18 जुलाई को किया जा रहा है। उन्होने बताया है कि प्रतिभावान कलाकार सांस्कृतिक प्रतिभा खोज के लिये आवेदन का प्रारूप जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ एवं संस्कृति विभाग की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते है। प्रतिभावान कलाकार 17 जुलाई तक आवेदन पत्र जिला सूचना कार्यालय प्रतापगढ़ में जमा कर सकते है। जिलाधिकारी ने बताया कि सांस्कृतिक प्रतिभा खोज आयोजन हेतु कलाकारों को प्रदर्शन के लिये कोई शुल्क देय नहीं होगा। निर्णायक मण्डल द्वारा कलाकारों के प्रस्तुति के आधार पर ए, बी एवं सी श्रेणी में पंजीकृत किया जायेगा। समस्त कलाकारों को अपने वाद्ययंत्र एवं संगतकर्ताओं के साथ आयोजन में भाग लेना होगा। सांस्कृतिक प्रतिभा खोज के सम्बन्ध में अधिक जानकारी जिला सूचना अधिकारी मोबाइल नम्बर 9415895341 से प्राप्त की जा सकती है। आयोजन में भाग लेने वाले सभी कलाकारों को संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की ई-डायरेक्ट्री में पंजीकृत किया गया जायेगा तथा उनको क्यू-आर कोड बेस्ड पहचान पत्र उपलब्ध कराया जायेगा। समस्त कलाकारों को पंजीकरण के आधार पर ही आगामी कार्यक्रमों एवं सरकारी आयोजनों में प्रस्तुति का अवसर प्रदान किया जायेगा।

पॉक्सो अधिनियम 2012 की कमेंट्री पुस्तक का हुआ विमोचन

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज 14 जुलाई 2022ः बालको को लैंगिक शोषण से संरक्षण प्रदान करने के लिये पुलिस लाइन्स सभागार में पॉक्सो अधिनियम 2012ठ की कमेंट्री पुस्तक का विमोचन किया गया। अपर पुलिस अधीक्षक उत्तर प्रदेश शिवराज व चाइल्ड प्रोटेक्शन एण्ड साइबर क्राइम लीगल एक्सपर्ट मोहम्मद हसन जैदी द्वारा रचित इस पुस्तक में बालकों के लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम 2012 के प्रावधान व मा0 उच्चतम न्यायालय व विभिनन मा0 उच्च न्यायालयों के निणन्य/ गाइडलाइंस का विस्तृत वर्णन किया गया है पुस्तक का विमोचन पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज डा0 राकेश सिंह व आई0 जी0 (सेवानिवृत्त) वी0 पी0 त्रिपाठी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने किया। पुस्तक विमोचन के दौरान डा0 राकेश सिंह ने कहा कि ठइस पुस्तक का विमोचन भले प्रयागराज की भूमि पर हुआ है पर इसका सकारात्मक असर देश भर में देखने को मिलेगा। यह पुस्तक बालकों के लैंगिक शोषण से संरक्षण प्रदान करने के लिए मददगार साबित होगी। वी.पी त्रिपाठी ने कहा कि पॉस्को कानून की जानकारी हर किसी को होनी चाहिए, बालकों के हित में यह कानून बेहद कारगर साबित हुआ है। इससे बाल अपराध

पर अंकुश लगा है। शैलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि न्याय व्यवस्था से जुड़े हर व्यक्ति को पॉस्को एक्ट 2012 की पूरी जानकारी होनी चाहिए। ताकि तत्काल प्रभाव से बाल अपराध जैसे मामलों से हम निपट सकें। मो. हसन जैदी ने पुस्तक विमोचन के दौरान कहा कि ठ इस पुस्तक में हमने व शिवराज जी ने पॉस्को एक्ट 2012 कानून की जानकारी बेहद सफल शब्दों में समाहित की है। साथ ही पॉस्को से जुड़े पूर्व के कई मामलों को उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत कर उसपर विस्तार से लिखा है। शिवराज ने कहा कि पुस्तक में ऑनलाइन लैंगिक अपराध जैसे चाइल्ड पानीग्राफी, सर तथा अन्य विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन/ऑफलाइन लैंगिक अपराधों को आच्छादित किया गया है। अपराध पंजीकरण, विवेचना, चिकित्सीय परीक्षण के साथ-साथ विचारण के अहम बिन्दुओं को वर्णित किया गया है। पुस्तक विमोचन के साथ सभागार में पॉक्सो अधिनियम के संबंध में प्रयागराज पुलिस के सभी बाल कल्याण अधिकारियों, बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न इकाइयों डीसीपीयू, सीडब्लूयूसी, एसजेपीयू, एएचटीयू, डीपीओ तथा एनजीओ के साथ कार्यशाला का भी आयोजन किया गया।

महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन ने मौनी बाबा के रचित अमर कथा महाकाव्य ग्रंथ का किया विमोचन

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

लखनऊ। उत्तर-प्रदेश के राजभवन लखनऊ में आज दिन गुरुवार को महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के द्वारा स्वामी ईश्वरदास ब्रह्मचारी जी महाराज (मौनीबाबा) के द्वारा रचित अमर कथा महाकाव्य ग्रंथ का विमोचन की।स्वामी ईश्वरदास ब्रह्मचारी 'मौनी बाबा' जी महाराज आद्य प्रतिष्ठापक अद्वैत शिव शक्ति परमधाम ग्राम डूहा बिहरा बलिया ने अति दुर्लभ ग्रंथ 'अमर कथा' महाकाव्य का प्रणयन किया है। इस दौरान बलिया ज्ञानकुंज एकेडमी के प्रबंधक डा0 देवेन्द्र नाथ सिंह भी मौजूद रहे। उक्त महाकाव्य ग्रंथ का विमोचन गुरुवार ईस्वी को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने हर्ष और उल्लास के साथ राजभवन में किया। अमर कथा काव्य ग्रंथ के प्रणेता श्री मौनी बाबा जी महाराज ने शक्ति सहित परब्रह्म शिव परमात्मा,अक्षर ब्रह्म तथा पंच ब्रह्म (सदाशिव, महाविष्णु, रुद्र, विष्णु और ब्रह्मा) की लीला का रहस्योद्घाटन किया है। साथ ही साथ तीन प्रकार की सृष्टि ब्रह्मसृष्टि, ईश्वरीसृष्टि, जीवसृष्टि, तीन प्रकार के पुरुष (परमाक्षर, अक्षर व क्षर) और त्रिविध भूमि अखंड भूमि, बेहद भूमि एवं हद भूमि का वर्णन किया है। उक्त पुस्तक के शक्तिपीठ की अनेक मंदिरों की अद्भुत श्रृंखला जहां एक ओर बलिया की गौरवमई बनाते हैं। वहीं दूसरी ओर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के योद्धा मंगल पाण्डेय और चित्तू पाण्डेय सहित अनेक स्वतंत्रता

विमोचन के उपरांत महामहिम राज्यपाल महोदया ने कहा कि इस ग्रंथ के पठन पाठन से मानव का कल्याण होगा तथा आत्म जागृति होगी। उत्तर-प्रदेश और बिहार सीमा पर स्थित बागी बलिया वास्तव में धर्म की नगरी है। वेद वेदांतो में उद्दलिखित महर्षि भृगु की तपस्थली सेनानियों की गौरव गाथा इस बागी धरती का मिसाल है। इतना ही नहीं राजा बलि की बलिया में साहित्यकारों की अद्भुत श्रृंखला इस बागी धरती पर चारचांद लगाते हैं। तो संत मुनियों की अति प्राचीन कथा की श्रृंखला में महान साधु-संत अपनी साधना व रचनाओं की माध्यम से भारतीय संस्कृत की जीवन बनाए रखने में अपना अमूल्य योगदान देकर मानव जाति को कृतार्थ कर रहे हैं। जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर सरजू की पावन तट पर अवस्थित ग्राम डूहा-विहारा आज किसी परिचय का मोहताज नहीं है।स्वामी श्री ईश्वरदास ब्रह्मचारी मौनी बाबा का आगमन किशोरा अवस्था में ही इसी ग्राम में हुआ था तब से लेकर आज तक मौनी बाबा जिले के विभिनन अपनी साधना वह तपस्या के बूते शिव शक्ति की संकल्पना को चरितार्थ करते रहे हैं। उन्होंने यहां एक ओर ग्राम डूहा में अनेक प्रतिमाओं का प्रतिमा प्रतिष्ठापित करके शक्तिपीठ की गौरव की विकृति किया है। वहीं अपनी धार्मिक रचनाओं के 2 दर्जन से अधिक कृतियों का ग्रंथ प्रदान कर एक चेतना की जागृत किया। इसी श्रृंखला में श्री मौनी बाबा की ठअमर रचनाठ का प्रदेश की राजधानी लखनऊ में महामहिम राज्यपाल के कर कमलों द्वारा विमोचन किया गया। आज गुरुवार को उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ की राजभवन में महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने प्रदेश के संत शिरोमणि स्वामी श्री ईश्वरदास ब्रह्मचारी मौनी बाबा द्वारा लिखित अमर कथा नामक ग्रंथ का विमोचन किया गया।अमर कथा ग्रंथ में उनका थानों का प्रमाण सहित उल्लेख है जिन कथाओं को आदिदेव शिव जी ने अमर गुफ़ा में जगत माता पार्वती को सुनाई थी। इस कथा को सुनते- सुनते जहां माता पार्वती जी योगमाया निद्रा के प्रभाव में आ गई। वहीं दूसरी ओर गुफ़ा मे मरणासनन अवस्था में पड़ा हुआ शुक तोता दर्द से काराहता हुआ पूरी गाथा सुनता रहा और पूर्णरूपेण आदेवपरांत कथा सुनकर शुक स्वास्थ्य और अमर हो गया। कथाओं के लिपिबद्ध प्रस्तुति श्री मौनी बाबा ने ग्रंथ में उल्लेख की है की है।जो अत्यंत ज्ञानवर्धक ग्रंथ है। राजभवन में आयोजित इस अवसर पर रचनाकार स्वामी ईश्वरदास मौनी बाबा सहित उक्त विमोचन कार्यक्रम में सर्वश्री ज्ञान कुंज एकेडमी बलिया के प्रबंधक डा0 देवेंद्र नाथ सिंह, मांधाता, रणविजय सिंह एवं धर्मेंद्र सिंह श्रीमती आशा श्रीवास्तव एवं डॉ0 श्रेया श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

11 दिन पड़ी रहीं दो निर्वस्त्र लाशें बड़ा सवाल- बेटे क्यों रहे शांत

वाराणसी। खाते में पड़े रुपये से खुलेगा राज वाराणसी के लंका थाना क्षेत्र के एक मकान में बुधवार को मां-बेटी के निर्वस्त्र हालत में सड़ चुके शव मिले। करीब 11 दिन तक मकान में दो लाश पड़ी रही और किसी को भनक तक नहीं

लगी। अगर दुर्गंध नहीं उठती तो शायद किसी को घटना की जानकारी नहीं हो पाती। घटना को लेकर लोग तरह-तरह की चर्चा कर रहे हैं। कोई संपत्ति विवाद को घटना की वजह बता रहा तो कोई लूट की नीयत से हत्या होने की चर्चा कर रहा है। ऐसे में पुलिस के लिए घटना की गुत्थी सुलझाना चुनौती होगी। मूल रूप से देवरिया के रहने वाले बालमुकुंद बिजली विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। दो साल पहले उनकी मौत हो गई थी। आसपास के लोगों के मुताबिक बालमुकुंद पांडेय का बड़ा बेटा अखिलेश दिल्ली रहता है। छोटा बेटा अंजनी इस समय चोलापुर में एक पोल्ट्री फार्म चलाता है। मकान में बालमुकुंद की पतनी सुनीता पांडेय (55) और बेटी दीपिका पांडेय (28) रहती थीं। पुलिस के अनुसार सुनीता का शव कमरे में पड़ा था, जबकि बेटी दीपिका पांडेय का शव बरामदे में था। उनके शरीर पर कपड़े नहीं थे। नरिया प्राथमिक विद्यालय के पास जिस मकान में मां-बेटी की लाश मिली है, उसका दो तरफ का हिस्सा गिराया जा चुका है। इस घर में कोई भी आसानी से जा सकता है। पिता के निधन के बाद मकान का बंटवारा हुआ और जब मकान गिर गया तो बड़े बेटे अखिलेश ने अपना हिस्सा बेच दिया। मां पेंशन से मिलने वाली धनराशि से अपना और बेटी का गुजारा कर रही थी। घटना की सूचना भी पुलिस को छोटे बेटे अंजनी ने दी और वह घर पर भी गया था। उधर, डीआईजी संतोष सिंह, डीसीपी काशी आरएस गौतम ने महिला छोटे बेटे अंजनी पांडेय से बंद कमरे में घंटे भर पूछताछ की। बेटे से पूछताछ के दौरान किन बातों पर बातचीत हुई यह तो डीआईजी ने नहीं बताया। बस इतना कहा कि पुलिस अलग-अलग एंगल से इस घटना की जांच करेगी। पुलिस नरिया तिराहे से घटना स्थल तक की सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। तीन दिन पहले दिल्ली में रहने वाले बड़े बेटे ने संकट मोचन चौकी प्रभारी को फोनकर मां का फोन नहीं उठाने की जानकारी दी थी। इस पर डीआईजी ने कहा जांच कर कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी ने बताया कि पूछताछ में पता चला कि एक लाख रुपये छोटे बेटे के खाते में 7 जुलाई को किसी ने भेजा था। तीन जुलाई को वह घर भी आया था। इसलिए घटना संदेहास्पद लग रही है। इधर घर में तीन जुलाई से अब तक के हर दिन के अखबार भी एक ही जगह पड़े थे। डीआईजी संतोष सिंह के अनुसार प्रथम दृष्टया संपत्ति विवाद ही घटना की वजह है। छोटा बेटा अपनी संपत्ति बेचना चाहता था। इस वजह से मां से अनबन थी। बड़ा बेटा पहले ही अपनी प्रॉपर्टी बेच चुका था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। इन सवालों का पुलिस को चाहिए जवाब- तीन जुलाई को चोलापुर में रहने वाला बेटा घर क्यों आया था - बड़े बेटे ने संकट मोचन चौकी प्रभारी से फोन न उठाने की शिकायत की - तीन जुलाई से घर में पड़ा था अखबार, घर का सामान बिखरे थे - लॉबी से जुड़ा पिछला दरवाजा और छत का दरवाजा खुला था - 11 दिन तक घर में कोई गतिविधि नहीं होने पर बेटे क्यों शांत रहे

इस रक्षा बंधन को खास बनाएंगी टेराकोटा की राखियां

गोरखपुर। लगाई जाएगी प्रदर्शना दिल्ली की डॉ. भावना अग्रवाल ने टेराकोटा का उत्पाद बनाने वाली महिलाओं को डिजाइन दी और बड़े पैमाने पर राखियां बनवाई हैं। डॉ. भावना का कहना है कि घर में रखी टेराकोटा की मूर्तिन्यों की खूबसूरती को खूब सराहना मिली। एक जिला एक उत्पाद की अनूठी माटी कला टेराकोटा की राखियां इस रक्षाबंधन को खास बनाएंगी। अच्छी बनावट और रंगत वाली ये राखियां बनकर तैयार हैं। 15

जुलाई को प्रदर्शनी लगेगी। यहां मिट्टी से बनी इन रंग-बिरंगी राखियों की खरीदारी भी की जा सकेगी। दिल्ली की डॉ. भावना अग्रवाल ने टेराकोटा का उत्पाद बनाने वाली महिलाओं को डिजाइन दी और बड़े पैमाने पर राखियां बनवाई हैं। डॉ. भावना का कहना है कि घर में रखी टेराकोटा की मूर्तिन्यों की खूबसूरती को खूब सराहना मिली। इससे मनोबल बढ़ा और राखियां बनवाने का फैसला किया। डॉ. भावना ने कहा कि मुख्यमंत्री ने पांच साल पहले तक उपेक्षित रही गोरखपुर की इस माटी कला को विशेष पहचान दी। इससे रोजगार बढ़ा है। सरकार ने ब्रांडिंग का दायरा अंतरराष्ट्रीय कर दिया। लिहाजा, पारंपरिक शिल्प में नवाचार की झड़ी लग गई। अब भाइयों की कलाई पर सजने के लिए राखियां भी तैयार हैं। गहने भी पसंद किए जा रहे टेराकोटा मिट्टी के आकर्षक गहने भी पसंद किए जा रहे हैं। इस शिल्प से बने नेकलेस, झुमका, बाली, कंगन की मांग बढ़ रही है। नए ऑर्डर की कई महीनों की वेटिंग है। सीएफसी से मिलेगी नई राह कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) के जरिए टेराकोटा की ब्रांडिंग को और मजबूत किया जा रहा है। गोरखपुर में ही दो सीएफसी बनाए जा रहे हैं। इससे टेराकोटा शिल्पियों को एक ही छत के नीचे गुणवत्ता जांच, प्रशिक्षण समेत सभी सुविधाएं मिलने लगेंगी। टेराकोटा के बाजार का और भी विस्तार होगा। योगी सरकार के प्रयासों से टेराकोटा उत्पाद कई ई कॉमर्स प्लेटफार्म पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

हिंदू पक्ष ने कहा- स्वयंभू शिवलिंग को भगवान शंकर ने किया स्थापित

वाराणसी। आज भी सुनवाईज्ञानवापी मामले में अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि यह मुस्लिम पक्ष की ओर से वाद से हटाने के लिए साजिश की जा रही है। 15 जून को ही प्रदेश शासन की एनओसी अदालत में दाखिल कर दी गई थी। वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन

को लेकर दायर याचिका में बुधवार को हिंदू पक्ष की ओर से दलील दी गई कि ज्ञानवापी में स्थापित शिवलिंग स्वयंभू है। स्वयंभू की प्राण प्रतिष्ठा नहीं होती, क्योंकि इसे भगवान शंकर ने स्वयं स्थापित किया है। उन्होंने वर्ष 1997 में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले की नजीर प्रस्तुत करते हुए पक्ष रखा कि काशी विश्वनाथ मंदिर एक्ट 1993 में यूपी विधानमंडल ने उस आराजी पर हिंदुओं का अधिकार स्वीकार किया है। इस मंदिर को आम जनता की प्रॉपर्टी माना है और यह स्थिति पूरे परिसर पर लागू होती है। वहां जनता को पूजा का अधिकार संवैधानिक है। इसके बाद जिला जज ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 14 जुलाई तय की है। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में जारी बहस के दौरान बुधवार को हिंदू पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरिशंकर जैन व विष्णु जैन ने पक्ष रखा। उन्होंने डीके

मुखर्जी की हिंदू लॉ पुस्तक और श्री राम जानकी मंदिर 1999 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की नजीर रखी और कहा कि इसमें साफ किया गया है कि स्वयंभू देवता कौन होते हैं। कितने प्रकार के हैं और उनकी पूजा कैसे की जाती है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि धार्मिक अधिकार मौलिक अधिकार से परे है।सुप्रीम कोर्ट के एक वाद उपेंद्र सिंह के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि यह धार्मिक अधिकार सिविल वाद के दायरे में आता है और यह मामला बिल्कुल सुनवाई के योग्य है। करीब दो घंटे चली बहस में अधिवक्ताओं ने संविधान की आर्टिकल-25 को लेकर उठाये गए मुद्दे, मूर्ति की इमेज, स्वयं भू जैसे मुद्दों पर हिंदू ला और सुप्रीम कोर्ट के दिए गए फैसलों, काशी के इतिहास, मंदिर को दो बार तोड़े जाने का जिक्र, शास्त्रों, वेदों, पुराणों और हिंदू कानूनों का हवाला देते हुए दलील दी। हमें न कब्जा चाहिए, न किसी को निकालना है हिंदू पक्ष के अधिवक्ता हरीशंकर जैन ने कहा कि हमारा वाद दर्शन पूजन को लेकर है। इसमें न तो कब्जे की बात है और न तो किसी के निकालने की बात है। ज्ञानवापी परिसर में 1993 तक जैसे दर्शन-पूजन होता था, वैसे ही व्यवस्था फिर से किये जाने की मांग की गई है। वाद की आराजी 9130 है, जिस पर मस्जिद बताई गई है। उस आराजी पर पहले से पूजा होती चली आ रही है। प्रतिवादी का वकील होते हुए रख रहे वादी का पक्ष ज्ञानवापी स्थित श्रृंगार गौरी के दर्शन मामले में मुस्लिम पक्ष की ओर से भी वादी के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन को लेकर जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर आपत्ति जताई गई। इसमें कहा गया कि अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में सरकार का पक्ष रख रहे हैं, जबकि इस मामले में सरकार के प्रतिवादी है। ऐसे में वह प्रतिवादी के वकील होते हुए वादी का पक्ष रख रहे हैं, जो आपत्तिजनक है। कोर्ट से अनुरोध किया गया कि इन परिस्थितियों में श्रृंगार गौरी मामले में विष्णु शंकर जैन को वकालत की अनुमति न दी जाए।

एसपी अनुराग आर्य ने एक साथ बदले 51 सब इंस्पेक्टर

आजमगढ़। महकमे में हड़कंप आजमगढ़ जिले की कानून व्यवस्था में सुधार को लेकर पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बुधवार देर रात महकमे में बड़ा फेरबदल किया। आजमगढ़ जिले की कानून व्यवस्था में सुधार को लेकर पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बुधवार देर रात महकमे में बड़ा फेरबदल किया। कुछ दिन पहले निरीक्षकों के कार्यक्षेत्रों में बदलाव के अब अब चौकी प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में परिवर्तन है। एक साथ 51 दरोगाओं को एक पुलिस चौकी और थाने से दूसरे पुलिस चौकी या थाने पर तैनात कर दिया। पुलिस महकमे में भारी फेरबदल होने से मातहतों में हड़कंप मचा है। एसपी ने बुधवार देर रात सब इंस्पेक्टरों के स्थानांतरण की सूची जारी की। जिसमें अश्वनी कुमार मिश्र को बदरका चौकी, विजय कुमार शुक्ला को पुलिस ऑफिस यातायात, श्रीप्रकाश शुक्ला को स्वाट टीम, सुनील दुबे को चौकी रोडवेज, रामकृष्ण सिंह को चौकी सठियांव, अखिलेश चौबे को चौकी लोहरा, प्रमोद सिंह को चौकी रासेपुर, राजेंद्र पटेल को चौकी पकड़ी, सौरभ त्रिपाठी को चौकी बोगरिया, शिवसागर यादव को चौकी गंभीरपुर, नवल किशोर को चौकी फरिहां, उमाकांत को चौकी रसीदगंज, राजेश कुमार को चौकी अजमतगढ़, विजय नरायण पांडेय को चौकी माहुल, प्रदीप राही को

चौकी इमिलिया, धीरेंद्र बहादुर सिंह को चौकी कचहरी, गोपाल मौर्या को चौकी महुला, जगदीश प्रसाद को सेमरी, बेचू यादव को चौकी बड़सरा खालसा भेजा गया है। इसी तरह से राम निहाल वर्मा को थाना कंधरापुर, अजय प्रताप सिंह को थाना रानी की सराय, ओम प्रकाश सिंह को थाना मेंहनगर, शंकर यादव को कोतवाली जीयनपुर, अनुज पांडेय को थाना कंधरापुर, गोपाल जी को थाना बरदह, राजेंद्र कुमार को थाना सिधारी, प्रमोद यादव को थाना कप्तानगंज, ओंकारनाथ पांडेय को थाना गंभीरपुर, हरिश्चंद्र को थाना पवई, विपिन कुमार सिंह को कोतवाली फूलपुर, कमला सिंह यादव को थाना बरदह, श्याम सिंह को थाना बिलरियागंज पर नई तैनाती दी गई है। वहीं आकाश कुमार को थाना रानी की सराय, राजबहादुर को थाना गंभीरपुर, मनोज विश्वकर्मा को कोतवाली देवगांव, जफर खां को थाना कंधरापुर, सूरज चौधरी को कोतवाली देवगांव, मेहरे आलम को थाना सिधारी, उमेश चंद्र को थाना अतरौलिया, सुल्तान सिंह को थाना महराजगंज, प्रभात पाठक को थाना अतरौलिया, रामकृपाल सोनकर को थाना तहबरपुर, सुरेंद्र नाथ व रमाशंकर को थाना अहरौला, अजीत सिंह को तरवां, मदन गुप्ता व उमाकांत को जीयनपुर, सुबोध कुमार व रतन कुमार को थाना कंधरापुर, परमहंस सिंह को थाना दीदारगंज व जयप्रकाश को थाना पवई भेजा गया है।

बरेका सब्जी मंडी के पास मिला अधेड़ का शव

बलिया। दवा लेने आया था बनारसबरेका सब्जी मंडी के पास गुरुवार सुबह एक अधेड़ का शव मिला। राहगीरों सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की शिनाख्त बलिया जिले के ग्राम सागरपाली निवासी प्रेमशंकर यादव (50) के तौर पर

हुई। बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) स्थित सब्जी मंडी के पास गुरुवार सुबह एक अधेड़ का शव मिला। राहगीरों सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक की शिनाख्त बलिया जिले के ग्राम सागरपाली निवासी प्रेमशंकर यादव (50) के तौर पर हुई। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे प्रेमशंकर के भतीजे ने बताया कि वो मानसिक रूप से बीमार थे। तीन दिन पहले दवा लेने के लिए मेरे घर रुद्रनगर पहाड़ी आए थे। बुधवार रात खाना खाने के बाद टहलने निकले लेकिन वापस नहीं लौटे। मंडुवाडीह थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने बताया की मृतक के भाई सत्यनारायण यादव के अनुसार मृतक मिर्गी रोग से ग्रसित था। दवा लेने के लिए बलिया से बनारस आया था। आशंका है कि मिर्गी के दौरा आने के कारण उसकी मौत हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी।

बाइक से आए थे बकरी चुराने, टोकने पर मारा चाकू

वाराणसी। एक को ग्रामीणों ने दबोचा , खंभे से बांधकर पीटामऊ जिले के भांवरकोल गांव में बुधवार देर रात बाइक सवार दो चोरों ने बकरी चुराने का प्रयास किया। बकरी के चिल्लाने पर एक युवक जाग उठा। जब उसने चोरी का विरोध किया तो एक बाइक सवारों ने चाकू से हमला कर दिया और भागने लगे। मऊ जिले के भांवरकोल गांव में बुधवार देर रात बाइक सवार दो चोरों ने बकरी चुराने का प्रयास किया। बकरी के चिल्लाने पर एक युवक जाग उठा। जब उसने चोरी का विरोध किया तो एक बाइक सवारों ने चाकू से हमला कर दिया और भागने लगे। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर एक चोर को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई की। फिर पुलिस के हवाले कर दिया। कोपागंज पुलिस के अनुसार बुधवार रात करीब 11.30 बजे पल्सर बाइक सवार दो युवक ग्राम सभा भांवरकोल गांव निवासी प्रभुराम के घर के बाहर पहुंचे। दरवाजे पर बंधी बकरी को

खोल कर ले जाने लगे। इस दौरान बकरी की आवाज सुन बगल में सो रहा प्रभुनाथ का बड़ा पुत्र राजेश उठ गया। बकरी के साथ दो युवकों को देख शोर मचाने लगा। इस पर बकरी चोरों ने राजेश पर चाकू से वार कर दिया और उसे घायल कर दिया। चीखपुकार सुनकर जब तक लोग मौके पर जुटे तो दोनों चोर बाइक समेत भागने लगे। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर एक चोर को पकड़ लिया जबकि दूसरा बाइक समेत फरार होने में सफल रहा। पकड़ में आए चोर को ग्रामीणों ने खंभे से बांध दिया और जमकर धुनाई की। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने चाकू के हमले से घायल राजेश को अस्पताल भिजवाया और चोर को हिरासत में ले लिया। राजेश की तहरीर पुलिस ने चोरी और एससीएसटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्त में आए चोर की शिनाख्त कासिम पुत्र नसीरुद्दीन निवासी मानिकपुर असना घोसी है। एसओ कोपागंज अमित कुमार मिश्रा ने बताया कि घायल युवक की तहरीर पर एक दोनों चोर के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

सीएम योगी ने कोटेदारों को दिया तोहफा, अब मिलेगा आर्थिक सशक्तिकरण का डबल डोज

गोरखपुर। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में प्रदेश सरकार तथा सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विस इंडिया लिमिटेड के बीच एमओयू का आदान-प्रदान हो गया है। मुख्यमंत्री ने कोटेदारों के लिए प्रति क्विंटल 20 रुपये लाभांश वृद्धि की घोषणा की। प्रदेश के राशन के करीब 80 हजार उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) को गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्थिक सशक्तिकरण की डबल सौगात दी। कोटेदारों को सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) या जनसेवा केंद्र के रूप में और सक्षम बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में जहां प्रदेश सरकार तथा सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विस इंडिया लिमिटेड के बीच एमओयू का आदान प्रदान हुआ वहीं इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कोटेदारों के लिए राशन वितरण पर प्रति क्विंटल 20 रुपये लाभांश वृद्धि की घोषणा भी की। कोटेदारों का लाभांश प्रति क्विंटल 70 से बढ़कर 90 रुपया हो गया है। इस लाभांश वृद्धि से सरकार के खजाने पर करीब 200 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय भार पड़ेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ने राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश भर की सभी उचित दर की दुकानों का और अपग्रेडेशन करने जा रही है। इससे कोटेदार और सशक्त बनेंगे और राशन वितरण के साथ अन्य सुविधाओं का लाभ आमजन को और तत्परता से प्राप्त होगा। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि सीएससी के रूप में उचित दर की दुकानों के विक्रेताओं

को सक्षम बनाने तथा लाभांश में 20 रुपये की वृद्धि प्रदेश के 80 हजार कोटेदारों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने का अभियान है। प्रदेश में 15 करोड़ लोग कोटेदारों से खाद्यान्न प्राप्त करते हैं, इसके बावजूद कई बार कोटेदारों को हेय दृष्टि से देखा जाता था। इस सोच में परिवर्तन लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से तकनीकी आधारित अभियान प्रारंभ किया गया।कहा कि कोटे की दुकानों को तकनीक से जोड़ना वर्ष 2017 के पहले तक उत्तर प्रदेश के लिए सपना था। पर, निर्धारित समय सीमा में 80 हजार कोटे की दुकानों पर सरकार ने ई-पास मशीन की सुविधा सुनिश्चित की। इसका परिणाम रहा कि कोरोना संकटकाल में भी 15 करोड़ लोगों को बिना संकट राशन मिलता रहा। कोरोना के दौर में भी यूपी में कोटेदारों के सहयोग से जितनी अच्छी राशन वितरण व्यवस्था हुई, उसकी सर्वत्र सराहना की जाती है। यूपी की खाद्यान्न वितरण व्यवस्था पूरे देश मे बेहतरीन मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश की खाद्यान वितरण व्यवस्था पूरे देश में बेहतरीन है। तकनीकी को अपनाकर यहां के उन काईधारको को नेशनल पोर्टिबिलिटी से जोड़ा गया जो काम के चलते महाराष्ट्र, पंजाब गुजरात या अन्य राज्यों में है। इसका फायदा यह है कि किसी भी अन्य राज्य में रहने वाला यूपी का नागरिक अपने राशनकार्ड पर वहां खाद्यानन्न प्राप्त कर सकता है। इसी तरह अन्य राज्यों के नागरिक भी यूपी में खाद्यानन्न-प्राप्त कर रहे हैं। सीएससी बनने से पूरे प्रदेश की जनता को लाभ सीएम योगी ने कहा कि सीएससी से 80 हजार कोटेदारों के जुड़ने से उनकी आय बढ़ेगी, अन्य लोगों को भी रोजगार मिलेगा। इन सीएससी से मिलने वाली ई स्टैम्प, आय, जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान, आधार, पैन कार्ड समेत अनेक सुविधाओं का लाभ पूरे प्रदेश की जनता को मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की सभी 25 करोड़ जनता के जीवन मे व्यापक सुधार लाने को प्रतिबद्ध है।मुख्यमंत्री ने कहा कि कोटे की दुकानों के सीएससी के रूप में सक्षम होने के साथ ही सरकार इनके जरिए बैंकिंग सुविधा के लोगों तक पहुंचाएगी। बैंकों के साथ एमओयू होगा। सरकार कोटेदारों के जरिए सामान्य नागरिक के जीवन में सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है।

निःशुल्क कोचिंग सेंटर संचालित करने को लेकर तैयारियां जोरों पर

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला (सोनभद्र)। स्थानीय चौकी क्षेत्र के हनुमान मंदिर प्रांगण में डाला चौकी इंचार्ज व रहवासियों के साथ मिलकर किया गया छायादार पौधारोपण आज बृहस्पतिवार दोपहर लगभग तीन बजे के करीब को नवागत पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन के अनुसार डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर के नेतृत्व में डाला पुलिस चौकी क्षेत्र के सेक्टर सी हनुमान मंदिर प्रांगण में डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर व रहवासियों के साथ मिलकर छाया दार पौधारोपण किया वृक्षारोपण साथ ही वन संरक्षण के लिए कुछ जानकारी भी दिये वहीं श्री ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर सी हनुमान मंदिर प्रांगण में छः से इंटर तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने हेतु नव निर्माण सेना व डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर के द्वारा

निःशुल्क कोचिंग सेंटर खोलवाया जाएगा जहां पर गरीब के बच्चे निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकें। जिसको लेकर मंदिर प्रांगण में जेसीबी व मजदूर के मदद से साफ सफाई दिवार पेटींग का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया गया है वहीं श्री ठाकुर ने पौधारोपण के महत्व को लेकर बताया कि पर्यावरण में घुल रहे प्रदूषण को लेकर जानकारी दी वन भारतियों की संस्कृति रहा है। भारतीय संस्कृति को समृद्धशाली बनाने के लिए हमारा कर्त्तव्य बन गया है कि किसी भी मंगल कार्यक्रम पर पौधारोपण किया जाना चाहिए। जीवन को खुशहाल व तंदरूस्त बनाने के लिए वर्तमान में सबसे जरूरी है कि वन संपदा को समृद्धशाली बनाया जाना चाहिए। वृक्षारोपण के दौरान लगभग एक दर्जन पौधे लगाए गए इस दौरान डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर, अशोक बिंद, रविकांत यादव, गाड़ी चालक असलम, नागेंद्र पासवान, डब्लू पांडेय, रमेश भारती, शंकर भारती, व आसपास के दर्जनों लोग सामिल रहें।

आगरा से सोनभद्र जिला जेल लाए गए बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्र

सोनभद्र। जानिए कारणज्ञानपुर के पूर्व विधायक बाहुबली विजय मिश्र को आगरा सेंट्रल जेल से सोनभद्र जिला जेल लाया गया है। विभिन्न मामलों में पेशी के कारण वह तीन दिन तक यहां रहेंगे। ज्ञानपुर के पूर्व विधायक बाहुबली विजय मिश्र को आगरा सेंट्रल जेल से सोनभद्र जिला जेल लाया गया है। विभिनन मामलों में पेशी के कारण वह तीन दिन तक इसी जेल में रहेंगे। इसी जेल में प्रयागराज का कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी भी बंद है। लिहाजा जेल प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्र को बुधवार को एक मामले में पेशी पर भदोही लाया गया था। जहां विचाराधीन कई आपराधिक मामलों में सुनवाई हुई और गवाह भी पेश हुए। बचाव पक्ष की ओर से जिरह की गई। विचाराधीन सभी मामलों में सुनवाई वास्ते एक अगस्त की तिथि नियति की गई है। एक अन्य मामले में उन्हें 16 जुलाई को दोबारा पेश होना है। सुरक्षा लिहाज से उन्हें आगरा न ले जाकर सोनभद्र जिला जेल में दाखिल कराया गया है। बुधवार देर शाम पूर्व विधायक को जिला जेल लाया गया। जेलर जेपी दुबे ने बताया कि पूर्व विधायक को कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। 16 जुलाई को सुबह उन्हें पेशी के लिए जाना है। उनकी हर गतिविधि पर निगाह रखी जा रही है। बता दें कि सोनभद्र जिला जेल में पहले से 13 कुख्यात बदमाश बंद है। इसमें प्रयागराज का सुंदर भाटी, राजू पहलवान, एनआईए अफसर तंजील अहमद का हत्यारा मुनीर अहमद प्रमुख है।

50 लाख की हेरोइन के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। शाहगंज थाना क्षेत्र के उचका गांव स्थित नदी के पास बुधवार को घेराबंदी कर पुलिस ने कार सवार चार अंतरराज्यीय हेरोइन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। कार की तलाशी लेने पर पुलिस को पांच सौ ग्राम हेरोइन मिली जिसकी कीमत 50 लाख रुपये है। तस्करों के कब्जे से हेरोइन बिक्री का 44900 रुपये भी बरामद हुआ बुधवार को स्वाट टीम और शाहगंज थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। एएसपी मुख्यालय विनोद कुमार ने बताया के मुखबिर की सूचना पर उचका गांव स्थित नदी के पुल के पास फोर्स के साथ शाहगंज थाना प्रभारी संजय पाल और स्वाट टीम प्रभारी शशिभूषण यादव वाहनों ने घेराबंदी कर कार सवार हेरोइन तस्करों को पकड़ लिया। पकड़े गए सूरज कुमार शाह, बुत्रु कोल, सुनील कुमार साकेत निवासी नवजीवन विहार सेक्टर नंबर 03, विंध्यनगर, सिंगरौली और कमलेश कुशवाहा निवासी वार्ड नम्बर 21 विंध्यनगर, सिंगरौली की निशानदेही पर कार से 500 ग्राम हेरोइन व 44900 रुपये बरामद किया गया। तस्करों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर चालान कर दिया गया। तस्करों को पकड़ने में दारोगा केदारनाथ मौर्या, नरेंद्र राय, हेड कांस्टेबल अतुल सिंह, शशि प्रताप सिंह, जगदीश मौर्या, सतीश कुमार सिंह, रितेश पटेल, प्रेम प्रकाश चौरसिया, दिलीप कुमार कश्यप, सौरभ कुमार राय, प्रकाश सिंह, अमित सिंह, लवलेश पाण्डेय, उमंग गुप्ता, रामेश्वर प्रसाद, रामनिवास यादव का अहम योगदान रहा। एसपी ने उपरोक्त सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करेंगे।

सोन नदी के तटीय इलाकों में अलर्ट, बढ़ सकता है जलस्तर

सोनभद्र। मध्यप्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से मध्य प्रदेश स्थित बाण सागर का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इसे देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश पर बाण सागर बांध के फाटक खोल दिए गए हैं। इससे सोन नदी में जलस्तर बढ़ने की आशंकाओं के मद्देनजर जिले में सोन नदी के तटवर्ती इलाकों में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। भारी बारिश की वजह से मध्य प्रदेश में स्थित बाण सागर का जलस्तर काफी बढ़ गया है। बांध की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश प्रशासन के निर्देश पर बाण सागर का पानी निकालने के लिए बांध का गेट खोल दिया गया है। जिससे बाण सागर का पानी सोन नदी में आने के कारण सोन नदी के जलस्तर में भी बढ़ोत्तरी होने की आशंका जताई जा रही है। सुरक्षा की दृष्टि से सोन नदी के तटीय क्षेत्र के गांवों जैसे सिंदुरिया, कोटा, रिजुल, करगरा, रेडि़या, पटवध, चोपन, भरहरी, गोठानी, कुड़ारी, चौरा बिजौरा, कोरठ, शिल्पी, नेवारी आदि दर्जनों गांवों के रहवासियों को नदी में न जाने की हिदायत दी गई है। ओबरा तहसीलदार सुशील कुमार ने बताया कि क्षेत्रीय लेखपाल को सोन नदी के जलस्तर पर ध्यान देने और तटवर्तीय गांवों में जाकर लोगों को अलर्ट करने का निर्देश दिया गया है।

दूरदर्शी छात्र नेतृत्व खड़ा करने में विद्यार्थी परिषद की भूमिका अहम

सोनभद्र। काली मंदिर परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई के कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त विभाग सह संयोजन पवित्र जायसवाल, सह संयोजक मनमोहन कुमार का जोरदार स्वागत किया। फूल-मालाओं से लाद कर मिठाई खिलाई। नगर मंत्री विश्वजीत साहनी के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में पूर्व प्रांत सहमंत्री सुधीर कुमार पाठक ने कहा कि राष्ट्रवादी विचारों को लेकर देश और दुनिया भर में योग्य दूरदर्शी छात्र नेतृत्व खड़ा करने में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सशक्त, समर्थ, सक्षम व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं का अतुलनीय योगदान रहने वाला है। पूर्व जिला सह-संयोजक अनिकेत श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के ज्ञान, शील और एकता के मूलमंत्र पर चलकर समाज, राष्ट्र व मानवहितों की रक्षा के साथ आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले देश का सबसे बड़ा छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ही है। इस दौरान राज दुबे, प्रतीक शुक्ला, निभन्य चंदेल, शिवा कुमार, अभिषेक जायसवाल, विकास विश्वकर्मा, अखिलेश पाल, अनुभव चौबे, हर्ष तिवारी, करन उपाध्याय, रितेश जायसवाल, राहुल ठाकुर आदि रहे।

सोनांचल के कांवडियों का जत्था देवघर के लिए हुआ रवाना

सोनभद्र। जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज से बुधवार को कांवडि़यों का जत्था भोले बाबा के दर्शन के लिए देवघर के लिए रवाना हुआ। हर हर महादेव का जयघोष लगाकर लोगों ने कांवडि़यों को विदा किया। शाहगंज क्षेत्र के ईनम गांव के मुनन पांडेय के नेतृत्व में नाचते गाते कांवडियों का पहला जत्था राबर्ट्सगंज से रवाना हुआ। सुबह से शाम तक कई वाहनों से श्रद्धालु रवाना हुए। उन्होंने बताया कि वे सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर देवघर स्थित वैदयनाथ महादेव मंदिर के लिए रवाना होंगे जहां शिवजीका जलाभिषेक करेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता मुनन पांडेय, बब्बू चौबे, अमरनाथ, दयाशंकर पांडेय, अवधेश सिंह, छवींद्र, ईश्वर प्रसाद, नारद मुनि, प्रफुल्ल पांडेय, भोले, अवधेश, मुनन जायसवाल आदि कांवरिया शामिल रहे।

तीन मिले संक्रमित 18 हुए स्वस्थ

सोनभद्र। जिले में एक दिन की राहत के बाद बुधवार को फिर तीन कोविड संक्रमित मिले। इस बीच पूर्व में संक्रमित 18 लोग इलाज के बाद स्वस्थ भी हुए हैं। इसके साथ ही जिले में एक्टिव केस अब 10 हो गए हैं। जिले में लगातार पांच दिनों तक कोविड संक्रमित मिलने के बाद एक्टिव केस की संख्या 25 पहुंच गई थी। मंगलवार को कोई संक्रमित नहीं मिला। इस बीच बुधवार को फिर तीन संक्रमित मिले। साथ ही 18 संक्रमित इलाज के बाद स्वस्थ भी हुए। जिसके बाद एक्टिव केस में कमी आई है। इस समय एक्टिव केस 10 हैं। नोडल डॉ. वीके भारती ने बताया कि 1693 लोगों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुईहै। इसमें शहर कोतवाली क्षेत्र की एक 35 वर्षीय महिला, मझवां क्षेत्र का 28 वर्षीय पुरुष और रेलवे कालोनी के 18 वर्षीय युवक की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। तीनों को होम आइसोलेशन में रखा गया है। कोन ब्लॉक कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्राएं स्वस्थ हो गई हैं। जिले में अब तक 12126 संक्रमित मिल चुके हैं। इनमें से 11989 स्वस्थ हुए है, जबकि 127 की मौत हुई है।

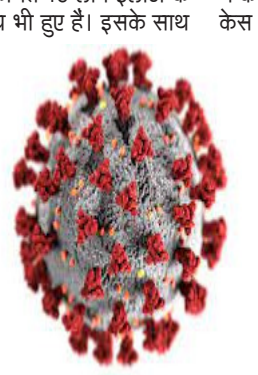

दो पक्षों में मारपीट, आठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मिर्जापुर। हलिया क्षेत्र के महुगढ़ छतरिहा गांव में मंगलवार की देर शाम दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। जिसमें दोनों पक्षों से नौ लोग घायल हो गए। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। महुगढ़ छतरिहा निवासी रामचंद्र ने थाने में तहरीर देकर बताया कि भतीजी संजना घर से दुकान पर सैंपो लेने गई थी। आरोप है कि वहां सोनू अपशब्दों का प्रयोग करने लगा और मना करने पर उसे मारने पीटने लगा। शोर मचाने पर रविशंकर, रामचन्द्र, वीरेंद्र पहुंचे तो उनको भी लालजी, विजय शंकर, मिश्रीलाल, रविशंकर ने लाठी डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। वहीं दूसरे पक्ष के विजय शंकर ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उधार सैंपो नहीं देने पर रविशंकर, रामचन्द्र, अखिलेश, बाबूराम अपशब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट करने लगे। मारपीट की इस घटना में विजयशंकर, वीरेंद्र, हरिप्रसाद, लालजी, राजकुमारी घायल हो गईं। जिनका उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में चल रहा है। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने कुल आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

डंपर से टकराया ट्रक, चालक की मौत

मिर्जापुर। वाराणसी-मध्य प्रदेश फोरलेन मार्ग पर लालगंज थाना क्षेत्र के बस्तरा गांव के पास मंगलवार की रात आगे जा रहे डंपर में ट्रक अनियंत्रित होकर जा टकराया। इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। हादसे के बाद फोरलेन सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी बुलाकर ट्रक में फंसे शव को बाहर निकलवा कर परिजनों को सूचना दी मध्य प्रदेश के रीवां नई गढ़ी थाना क्षेत्र के संगवार गांव निवासी पुष्पराज पटेल (30) सतना से सीमेंट लादकर चंदौली जा रहे थे। मंगलवार की देर रात वे बस्तरा गांव के सामने पहुंचे थे कि ट्रक अनियंत्रित होकर आगे जा रहे डंपर से टकरा गया। इस हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के चलते सड़क पर आवागमन बाधित हो गया। दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। सूचना पर पहुंचे लालगंज थानाध्यक्ष राम नारायण राम ने ट्रक में फंसे चालक के शव के केबिन काटकर बाहर निकलवाया। इसके बाद जेसीबी से वाहनों को सड़क से अलग कराया गया। इसके बाद आवागमन सुचारु हुआ। पुलिस ने शिनाख्त कर पुष्पराज के परिजनों को हादसे की सूचना दी। मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गर्भवती महिला की बावली में डूबने से मौत

सोनभद्र। करहिया ग्राम पंचायत में बुधवार की देर शाम को बावली में डूबने से महिला की मौत हो गई। महिला गर्भवती थी। कपड़ा धुलने के दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चली गई। शव को बाहर निकलवाने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। म्योरपुर थाना क्षेत्र के करहिया ग्राम निवासी अकालू की पतनै प्रमिला (25) बुधवार की शाम घर के समीप स्थित बावली पर कपड़ा धोने गई थी। किनारे पर फिसलन होने के कारण पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चली गई। काफी देर तक वह घर नहीं लौटी तो पति उसकी तलाश करने लगा। बावली किनारे कपड़े देखकर उसने पानी में खोजबीन शुरू की। काफी मशक्कत के बाद महिला की लाश बरामद हुई।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः **31 जुलाई 2022**
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

बुमराह को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज कहने पर भड़के पाकिस्तान के पूर्व कप्तान

नई दिल्ली । शाहीन से की तुलनापाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर को लगता है कि शाहीन ने पिछले कुछ समय में अपने अनुभव से क्रिकेट पर काफी प्रभाव डाला है और इस मामले में कोई तुलना नहीं किया जा सकता। भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में खेले गए पहले वनडे में जसप्रीत बुमराह की घातक

गेंदबाजी ने फैन्स का दिल जीत लिया। उन्होंने 19 रन देकर छह विकेट झटके थे। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 110 रन पर समेट दिया था। जवाब में टीम इंडिया ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी। इसके बाद नासिर हुसैन, माइकल वॉन और रवि शास्त्री समेत कई पूर्व क्रिकेटर्स ने बुमराह को मौजूदा समय में तीनों फॉर्मेट का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया था। इस बयान से पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान बट भड़क गए। उन्होंने शाहीन अफरीदी को भी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताया। सलमान बट ने कहा कि शाहीन बुमराह से पीछे नहीं हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर को लगता है कि शाहीन ने पिछले कुछ समय में अपने अनुभव से क्रिकेट पर काफी प्रभाव डाला है और इस मामले में कोई तुलना नहीं किया जा सकता। सलमान ने कहा- शाहीन ने बुमराह की तरह काफी क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन वह भी सर्वश्रेष्ठ की रेस में हैं। वह बुमराह से बिलकुल कम नहीं हैं। शाहीन को जैसे-जैसे अनुभव मिलता जाएगा, वह और बेहतर बनते जाएंगे। सलमान ने कहा- शाहीन के पास बुमराह से बेहतर पेस और एंगल है। मुझे लगता है कि दोनों शानदार गेंदबाज हैं और उन्हें गेंदबाजी करते देखना मजेदार होता है। दोनों जब परफॉर्म करते हैं तो देखने में मजा आता है। नई गेंद से जब दोनों गेंदबाजी करते हैं तो लगता है कि किसी भी विकेट गिर जाएगा। ऐसी भावना किसी और देखकर नहीं आती है। सलमान बट ने ये बातें अपने यूट्यूब चैनल पर कहीं। बुमराह ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 2016 में खेला था। दो साल बाद टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू के बाद से इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। इनमें अपने दूसरे साल में हैट्रिक लेना और टेस्ट में 50 विकेट लेने वाले सबसे तेज भारतीय गेंदबाज बनना शामिल है। अब तक छह साल में बुमराह ने 159 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 316 विकेट लिए हैं। वह मौजूदा समय में भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। दूसरी ओर शाहीन ने 2018 में डेब्यू करने के बाद से 96 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 204 विकेट लिए हैं। शाहीन को पिछले साल का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर भी चुना गया था। बट ने कहा कि शाहीन और बुमराह एक-दूसरे के बराबर हैं, लेकिन दोनों की तुलना उनके अनुभव के आधार पर दोनों की गेंदबाजी की तुलना करना सही नहीं है। फिर भी एक 20 वर्षीय गेंदबाज के लिए इस तरह से प्रदर्शन करना आसान नहीं है। जाहिर है, बुमराह ने बहुत अधिक मैच खेले हैं, इसलिए उन्हें ऊपर रखा जाता है।

77 दिन पहले शादी करने वाले 66 साल के अरुण लाल का इस्तीफा, बोले बूढ़ा हो गया हूं

नई दिल्ली । अरुण लाल ने बंगाल को इस सीजन के सेमीफाइनल में पहुंचाया था। दो महीने पहले शादी करने वाले अरुण लाल ने बढ़ती उम्र और थकान के कारण इस्तीफा दिया है। वह हनीमून के लिए 28 साल छोटी पतनी बुलबुल साहा के

साथ तुर्की जाएंगे। बंगाल क्रिकेट इनदिनों चर्चा में है। ऋद्धिमान साहा से विवाद के बाद अब उसे एक और झटका लगा है। भारत के पूर्व क्रिकेटर अरुण लाल ने सीनियर टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। अरुण लाल ने बंगाल को इस सीजन के सेमीफाइनल में पहुंचाया था। दो महीने पहले शादी करने वाले अरुण लाल ने बढ़ती उम्र और थकान के कारण इस्तीफा दिया है। वह हनीमून के लिए 28 साल छोटी पतनी बुलबुल साहा के साथ तुर्की जाएंगे। अरुण लाल ने इस्तीफे को लेकर कहा, ''मैं व्यक्तिगत तौर पर यह फैसला लिया है। इसमें कोई विवाद नहीं है। मैंने क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (कैब) से कहा कि अब बंगाल टीम के कोच पद पर बने रहना नहीं चालता। मेरा काम 24 घंटे और सातों दिन का है। इस कारण पूरे दिन यात्रा करनी पड़ती है। क्रिकेट टीम को कोचिंग देना मुश्किल काम है। मुझे ऐसा लगा रहा है कि अब मैं बूढ़ा हो गया हूं। इसलिए हार मान रहा हूं।''असंतोष का सवाल नहीं' क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के सचिव सन्नेहाशीष गांगुली को अरुण लाल ने अपना इस्तीफा सौंपा। उन्होंने कहा, ''यह फैसला मैंने अपने मन से लिया है। मैं खुशी-खुशी इस निणय्र पर पहुंचा हूं। असंतोष का सवाल नहीं है। मैं उम्रदराज हूं। बंगाल टीम अब पहले से बेहतर रूप में है। खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। अगले चार से पांच साल में बंगाल के खिलाड़ी छा जाएंगे। भारत के खिलाफ खेल चुके हैं टेस्ट और वनड अरुण लाल ने 16 टेस्ट मैच में छह अर्धशतकों की मदद से 729 रन बनाए। 13 वनडे मैचों में उनकेनाम 122 रन है। उन्होंने एक अर्धशतक लगाया था। प्रथम श्रेणी क्रिकेट की बात करें अरुण लाल ने 156 मुकाबलों में 10421 रन बनाए। इस दौरान 30 शतक और 43 अर्धशतक उनके बल्ले से निकले। साल छोटी बुलबुल से की थी शादी 66 वर्षीय अरुण लाल ने दो मई को कोलकाता में अपने से 28 साल छोटी बुलबुल साहा के साथ शादी की।

कोहली को लेकर गांगुली का बड़ा बयान, खराब फॉर्म और टीम से बाहर करने के सवाल पर दिया जवाब

नई दिल्ली । गांगुली ने विराट कोहली का समर्थन किया है और कहा है कि वह जल्द फॉर्म में लौटेंगे। गांगुली ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोहली ने खूब रन बनाए हैं। यह बिना क्वालिटी के नहीं हो सकता। भारत के स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली के लिए पिछले कुछ साल अच्छे नहीं

रहे हैं। वह रन बनाने के लिए जूझते दिखे हैं। पिछले ढाई साल में वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक भी शतक नहीं लगा पाए हैं। हर मैच में वह नए-नए तरीके से आउट होते दिखे हैं। ऐसे में फैन्स को उनके शतक का बेसब्री से इंतजार है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मौजूदा अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही विराट बल्ले से कमाल दिखाएंगे। गांगुली ने लंदन में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विराट कोहली ने खूब रन बनाए हैं। उनके आंकड़े खुद ही जवाब देते हैं। यह बिना क्षमता और गुणवत्ता के नहीं हो सकता। हां, पिछला कुछ समय उनके लिए कठिन रहा है और वह खुद यह बात जानते हैं। विराट भारत के लिए एक महान खिलाड़ी रहे हैं। गांगुली ने कहा- विराट खुद जानते हैं कि पिछले कुछ समय से वह रन नहीं बना पाए हैं, जो कि उनका स्टैंडर्ड नहीं है। मैं उन्हें वापसी करता हुआ देखता हूं और वह जरूर फिर से खूब रन बनाएंगे। फिर से फॉर्म में वापसी के लिए विराट को एक ऐसा रास्ता खोजना होगा जो उन्हें सफल बना सके, जैसा कि वह पिछले 12-13 वर्षों से करते रहे हैं। केवल विराट कोहली ही ऐसा कर सकते हैं। गांगुली ने

कहा- खेल में ये चीजें होंगी। यह पिछले कई महान क्रिकेटरों के साथ भी हुआ है। चाहे वह सचिन तेंदुलकर हों, राहुल द्रविड़ हों या मैं, सब ऐसे दौर से गुजर चुके हैं। यह भविष्य में कई और खिलाड़ियों के साथ भी निश्चित तौर पर होगा। यह खेल का हिस्सा है। एक खिलाड़ी के तौर पर इन सबके बारे में नहीं सोचना है और अपना स्वभाविक खेल खेलते रहना है। गांगुली को लंदन में ब्रिटिश संसद द्वारा सम्मानित भी किया गया है। इसको लेकर उन्होंने कहा- मुझे ब्रिटिश संसद द्वारा एक बंगाली के रूप में सम्मानित किया गया। इसलिए यह एक अच्छा एहसास है। यह कार्यक्रम संसद में था। उन्होंने छह महीने पहले मुझसे संपर्क किया था। वे यह पुरस्कार हर साल देते हैं और इस बार मुझे यह मिला। कोरोना के दौरान आई चुनौतियों पर जवाब बीसीसीआई अध्यक्ष रहते हुए कोरोना के दौरान चुनौतियों के सवाल पर गांगुली ने कहा- यह चुनौतीपूर्ण था क्योंकि इससे पहले किसी ने भी कोविड को नहीं देखा था। इसने दुनिया को रोक दिया था, लेकिन हम क्रिकेट को आगे बढ़ाने में कामयाब रहे। जैसा कि आप जानते है कि प्रसारण अधिकार के लिए किस तरह की लड़ाई हुई। हम इससे खुश हैं। भारतीय क्रिकेट मजबूत स्थिति में गांगुली ने कहा- मैं कभी भी खेल के साथ पैसे की बराबरी नहीं करता, लेकिन पैसा होना अच्छा है। इससे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में मदद मिलती है। भारतीय क्रिकेट मजबूत स्थिति में है। जब मेरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा तो कोई और आकर भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाएगा। यह खिलाड़ी और प्रशासक है जो खेल को आगे बढ़ाते है।श्रीलंका में चल रहे संकट के बीच वहां एशिया कप कराने पर गांगुली ने कहा- मैं फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। हम निगरानी रखेंगे। ऑस्ट्रेलिया इस समय वहां खेल रहा है। श्रीलंकाई टीम वास्तव में बहुत अच्छा कर रही है। एक महीने और इंतजार करते हैं। गांगुली-विराट में हुआ था विवा विराट को बीसीसीआई अध्यक्ष का साथ मिलना बड़ी बात है क्योंकि पिछले साल टी-20 विश्व कप के बाद कोहली को सीमित ओवरों की कप्तानी से हटा दिया गया था। तब गांगुली और विराट के बीच काफी विवाद भी हुआ था। दोनों ओर से हुई बयानबाजी ने भारतीय क्रिकेट को हिला कर रख दिया था। हालांकि, अब सब सही होता दिख रहा है। भारतीय टीम फिलहाल इंग्लैंड में वनडे सीरीज खेल रही है। जिसका दूसरा मैच गुरुवार को खेला जाएगा। फैन्स इस मैच में विराट के बल्ले से रन की उम्मीद कर रहे होंगे।

श्रीलंका दौरे पर पहुंची पाकिस्तान की टीम, प्रैक्टिस सेशन में 'फुट वॉली' खेलकर किया टाइमपास

नई दिल्ली । पाकिस्तान की टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच चुकी है। इस सीरीज की शुरुआत 16 जुलाई से हो रही

है। यह दो टेस्ट दोनों टीमों के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका पहुंच चुकी है। इस सीरीज की शुरुआत 16 जुलाई से हो रही है। यह दो टेस्ट दोनों टीमों के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। जो भी यह सीरीज जीतेगी, उसे डब्ल्यूटीसी में काफी फायदा होगा। श्रीलंका की टीम फिलहाल तीसरे और पाकिस्तान की टीम चौथे स्थान पर है श्रीलंका पहुंचने के बाद पाकिस्तान की टीम ने प्रैक्टिस सेशन में भी हिस्सा लिया। इस दौरान सभी खिलाड़ी चिल करते नजर आए। पाक खिलाड़ी क्रिकेट की जगह 'फुट वॉली' खेलकर टाइमपास करते नजर आए। टीम के साथ कप्तान बाबर आजम भी 'फुट वॉली' खेलते दिखे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसका वीडियो भी शेयर किया है। कैप्शन में बोर्ड ने लिखा कि खिलाड़ियों को दो टीमों में बांटा गया था। दोनों टीमों के बीच एक बेहद ही रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में दोनों टीमों ने एक-एक सेट जीता। 'फुट वॉली' वॉलीबॉल गेम का ही एक रूप है। इसमें हाथ की जगह पैर का इस्तेमाल होता है। श्रीलंका दौरे पर पाकिस्तान की टीम पहला टेस्ट 16 जुलाई से 20 जुलाई के बीच गॉल में खेलेगी। इसके बाद तीन दिन का `स्ट होगा फिर 24 जुलाई से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। यह मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। आंकड़ों की बात करें तो पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच अब तक 55 टेस्ट खेले गए हैं। इसमें से 20 टेस्ट पाकिस्तान ने और 16 टेस्ट श्रीलंका ने जीते हैं। दोनों टीमों के बीच 19 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। इसके अलावा श्रीलंकाई टीम ने गुरुवार को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए स्क्वॉड का एलान किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रभात जयसूर्या को टीम में बरकरार रखा गया है। श्रीलंकाई टेस्ट टीमः दिमुथ करुणारतने(कप्तान), पथुम निसांका, ओशादा फर्नांडो, एंजेलो मैथ्यूज, कुसल मेंडिस, धनंजया डी सिल्वा, कामिंडू मेंडिस, निरोशन डिकवेला, दिनेश चांदीमल, रमेश मेंडिस, महेश तीक्षणा, कसुन रजिथा, विश्वा फर्नांडो, असिथा , दिलशान मदुशंका, प्रभात जयसूर्या, दुनिथ वेलालगे और जेफरी वांडरसे। श्रीलंका दौरे के लिए पाकिस्तानी टेस्ट टीमः बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, इमाम उल हक, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवद आलम, हारिस राउफ, नसीम शाह, नौमान अली, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, सौद शकील, शाहीन अफरीदी, शान मसूद और यासिर शाह, हसन अली और मोहम्मद नवाज।

भारत को टेस्ट में मिला नया पार्ट टाइम स्पिनर पुजारा को गेंदबाजी करता देख हैरान रह जाएंगे

नई दिल्ली । पुजारा नई जिम्मेदारी के साथ नजर आए। उन्होंने ससेक्स के लिए स्पिन गेंदबाजी की। मैच के तीसरे दिन पुजारा ने एक ओवर फेंका और आठ रन दिए। उनकी गेंद पर लीसेस्टरशायर के वियान मुलडर ने चौका भी लगाया। इंग्लैंड के काउंटी क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर चेतेश्वर पुजारा ने भारतीय टेस्ट में वापसी की थी। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में भी पुजारा को काउंटी क्रिकेट खेलने का फायदा हुआ और दूसरी पारी में उन्होंने अर्धशतक जमाया था। अब टीम इंडिया को अपना अगला टेस्ट कुछ महीनों बाद खेलना है। ऐसे में पुजारा ने बाकी बचे समय के बेहतर इस्तेमाल के लिए फिर से काउंटी क्रिकेट ज्वाइन कर लिया है। पुजारा को ससेक्स की टीम ने साइन किया था और वह फिर से इस टीम से जुड़ गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले ससेक्स के लिए खेलते हुए उन्होंने दो दोहरे शतक और दो शतक जमाए थे। इसी के दम पर पुजारा ने इंग्लैंड

के खिलाफ पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट मैच के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की थी। पुजारा वर्तमान में लीसेस्टरशायर के खिलाफ काउंटी चैम्पियनशिप डिवीजन टू में खेल रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को पुजारा नई जिम्मेदारी के साथ नजर आए। उन्होंने ससेक्स के लिए स्पिन गेंदबाजी की। मैच के तीसरे दिन पुजारा ने एक ओवर फेंका और आठ रन दिए। उनकी गेंद पर लीसेस्टरशायर के वियान मुलडर ने चौका भी लगाया। पुजारा इससे पहले भी गेंदबाजी कर चुके हैं। उन्होंने भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में भी एक ओवर फेंका था। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पुजारा ने 21 पारियों में छह विकेट लिए हैं। पुजारा के गेंदबाजी का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। लोग इस वीडियो को खूब पसंद भी कर रहे हैं। कुछ यूजर्स यह भी कह रहे हैं कि टेस्ट में भारत को एक और पार्ट टाइम स्पिनर मिल गया। इससे भारतीय टीम को विदेशी पिचों पर काफी मदद मिलेगी, क्योंकि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में आमतौर पर टीम इंडिया एक स्पिनर के साथ ही मैदान पर उतरती है। पुजारा ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में पहली पारी में 13 और दूसरी पारी में 66 रन बनाए थे। उनके नाम 96 टेस्ट में 43.82 की औसत से 6792 रन हैं। पुजारा ने टेस्ट करियर में 18 शतक तीन दोहरे शतक और 33 अर्धशतक लगाए हैं। इसके अलावा उन्होंने पांच वनडे भी खेले है, जिसमें 51 रन बनाए है।

श्रीलंका संकट पर सनथ जयसूर्या बोले- नेताओं ने देश को बर्बाद किया

नई दिल्ली । एशिया कप पर कही बड़ी बातजयसूर्या ने सरकार के खिलाफ हो रहे आंदोलन में प्रदर्शनकारियों का साथ दिया है। आमलोगों की तरह जयसूर्या को भी उम्मीद है कि बहुत जल्द लोकतंत्र वापस आएगा और लंबे समय में चीजें धीरे-धीरे सामान्य हो जाएंगी। श्रीलंका को भारी वित्तीय संकट और अशांति से जूझते हुए देखकर

पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या दुखी और नाराज दोनों है। उन्होंने सरकार के खिलाफ हो रहे आंदोलन में प्रदर्शनकारियों का साथ दिया है। जयसूर्या का मानना है कि देश को नेताओं ने बर्बाद कर दिया है। उन्हें उम्मीद है कि देश में लोकतंत्र जल्द ही बहाल हो जाएगा। साथ ही पूर्व श्रीलंकाई कप्तान को उम्मीद है कि अगले महीने उनका देश एशिया कप का आयोजन कर सकता है। जयसूर्या ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में कहा, ठयह एक बहुत ही दुखद स्थिति है कि श्रीलंकाई जनता को क्या करना पड़ रहा है। मेरा देश पीड़ित है और मुझे आवश्यक खाद्य पदार्थों को खरीदने के लिए लंबी कतारों में खड़े लोगों को देखकर दुख हो रहा है। बिजली नहीं है, ईंधन नहीं है और इसके ऊपर सभी बुनियादी दवाएं उपलब्ध नहीं हैं। आम आदमी के लिए इससे बदतर कुछ नहीं हो सकता था। 'राजनेताओं ने देश को गलत तरीके से चलाया' जयसूर्या ने गुस्से में कहा, ठयह स्थिति वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। उम्मीद है कि आज 13 जुलाई को गोतबाया अपना इस्तीफा दे देंगे। मेरे पास यह बताने के लिए कोई शब्द नहीं हैं कि हमारे राजनेताओं ने देश को पूरी तरह गलत तरीके से चलाया है।ठ जयसूर्या ने 90 के दशक में वनडे क्रिकेट में बल्लेबाजी की परिभाषा बदल दी थी। उन्होंने शुरुआती ओवरों में विस्फोटक बल्लेबाजी की और अन्य टीमों को पावरप्ले में खेलना सिखाया।

अब तक फिट नहीं हुए विराट कोहली, इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे वनडे से भी रह सकते हैं

नई दिल्ली । बाहरविराट के नहीं होने से पहले वनडे में तो भारत पर कोई असर नहीं पड़ा। टीम इंडिया ने गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 2-1 से जीतने के बाद भारत ने मंगलवार को पहले वनडे में 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की थी। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली की

किस्मत आजकल उनका साथ नहीं दे रही है। एक तो कोहली का बल्ला पुराने अंदाज में रन नहीं उगल रहा है तो दूसरी ओर फिटनेस भी उनका साथ नहीं दे रही। विराट ग्रोइन की चोट के कारण ओवल में खेले गए पहले वनडे में नहीं खेल पाए थे। अब ऐसा लग रहा है कि कोहली दूसरे वनडे में भी नहीं खेल पाएंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा मुकाबला प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में गुरुवार (14 जुलाई) को खेला जाएगा। विराट के नहीं होने से पहले वनडे में तो भारत पर कोई असर नहीं पड़ा। टीम इंडिया ने गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज 2-1 से जीतने के बाद भारत ने मंगलवार को पहले वनडे में 10 विकेट की आसान जीत दर्ज की थी। ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा और शिखर धवन ने ही टीम को जीत दिला दी थी। ऐसे में कोहली के स्थान पर खेलने वाले श्रेयस अय्यर का टेस्ट नहीं हो पाया।कोहली की गैरमौजूदगी का नकारात्मक पक्ष यह है कि देश के शीर्ष बल्लेबाज को दबाव भरे मुकाबलों में ठोस प्रदर्शन करने का मौका नहीं मिल रहा। हालांकि, उनके नहीं होने से श्रेयस अय्यर और सूर्यकुमार यादव जैसे अन्य बल्लेबाजों के पास खुद को साबित करने का मौका होगा। सूर्यकुमार यादव ने नॉटिंघम में अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक जड़ा था। दूसरे मैच में कोहली की उपलब्धता के बारे में पूछे जाने पर पहले मैच में भारत की जीत के हीरो रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा, ''मैं अंतिम टी20 मैच में नहीं खेला और वह (कोहली) आज (मंगलवार) नहीं खेले। मेरे पास उनकी चोट के बारे में अपडेट नहीं है।

राशीफल

मेष-:आप ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे लेकिन काम का बोझ आपको परेशान करेगा। वित्तीय कल्याण आपके लिए अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदना आसान बना देगा।

वृष-:आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपका मन चाह सकता है कि आप कोई नया काम शुरू करें। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी।

मिथुन-:कोई शुभ समाचार मिल सकता है। सहभागी व्यवसायों और वित्तीय योजनाओं में हेराफेरी करने में निवेश न करें। आपका ऊर्जावान, जीवंत और गर्मजोशी भरा व्यवहार आज आपके आस-पास के लोगों को खुश कर देगा।

कर्क-:आज का दिन अच्छा रहने वाला है. आज अचानक आपका आपा खो सकता है और जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। करियर के मामले में आप पर जितनी जिम्मेदारियां आप संभाल सकते हैं

सिंह-:बेचैनी की फुसफुसाहट आपको परेशान कर सकती है. इससे बचने के लिए टहलने जाएं और ताजी हवा में गहरी सांस लें। साथ ही सकारात्मक सोच भी बहुत मददगार होगी।

कन्या-:आज आप भाग्यशाली रहेंगे। मेडिकल छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको किसी अच्छे डॉक्टर के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। पारिवारिक किसी महत्वपूर्ण कार्य के कारण आपको स्टेशन से बाहर।

तुला-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

वृश्चिक-:आज के दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी. आज आप सकारात्मक तरंगों से भरे हुए हैं। अपनी योजनाओं को दूसरों के साथ साझा न करें, अन्यथा दूसरे लोग इसका फायदा उठा सकते हैं।

धनु-:अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है. मन जीवन का द्वार है, क्योंकि इससे अच्छा और बुरा सब कुछ आता है। यह जीवन की समस्याओं पर काबू पाने में मददगार साबित है।

मकर-:आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है. व्यापार से जुड़ा कोई जरूरी काम आज पूरा हो सकता है। कोई नया काम शुरू करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज आप हर उस व्यक्ति के साथ प्यार से पेश आएंगें।

कुंभ-:अपने शरीर से थकान को दूर करने और अपनी ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूर्ण आराम की आवश्यकता है, अन्यथा शरीर की थकान आपके मन में निराशा को जन्म दे सकती है।

मीन-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

सम्पादकीय

जनता के संदेश को समझने की जरूरत

श्रीलंका में विद्रोह की लपटें पिछले तीन चार महीनों से उठने लगी थीं। हालात धीरे धीरे बेकाबू होते जा रहे थे। चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के भयानक जाल में बुरी तरह उलझ चुके इस देश के सत्ताधारियों ने आम जनता की सुध नहीं ली, उनकी रोजमर्रा की तकलीफों के बारे में नहीं सोचा और उन्हें भूखे, प्यासे और अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। इस बार ये आग रामभक्त हनुमान की पूंछ ने नहीं लगाई है, क्योंकि अब न तो लंका सोने की रह गई है और न पीतल की। अब लंका को जलाने वाली खुद वहां की बदहाल, परेशान जनता है जो लंबे समय से भूख, गरीबी और भीषण महंगाई के बीच जीने को अभिशप्त हो गई है। महंगाई तो छोडि़ए, वहां के सत्ताधारियों ने जनता के लिए कुछ छोड़ा ही नहीं है। तमाम तीसरी दुनिया के देश कर्ज लेते हैं और तकरीबन हर देश अमेरिका, चीन, जापान, रूस जैसे विकसित देशों के कर्जजाल में फंसा हुआ है। पाकिस्तान हो नेपाल हो, बांग्लादेश हो या फिर श्रीलंका, इन अमीर देशों की नजर में भारतीय उपमहाद्वीप के इन देशों को अपना आर्थिक गुलाम बनाने की प्रक्रिया बदस्तूर जारी रहती है। रिश्ते बेहतर बनाने और मदद के नाम पर यहां के हर सत्ताधारी विकास का हवाला देकर इस चक्रव्यूह में फंसते हैं और इसका खामियाजा उठाती है- वहां की जनता। अगर आपका प्रबंधन ठीक नहीं है तो हालात श्रीलंका जैसे होने में वक्त नहीं लगता। श्रीलंका में विद्रोह की लपटें पिछले तीन चार महीनों से उठने लगी थीं। हालात धीरे धीरे बेकाबू होते जा रहे थे। चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के भयानक जाल में बुरी तरह उलझ चुके इस देश के सत्ताधारियों ने आम जनता की सुध नहीं ली, उनकी रोजमर्रा की तकलीफों के बारे में नहीं सोचा और उन्हें भूखे, प्यासे और अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। जाहिर है विद्रोह होना ही था। इसकी भूमिका महीनों से बन रही थी। शनिवार को इसकी पराकाष्ठा थी और आगे भी तबतक रहेगी जबतक कोई कारगर सरकार नहीं बन जाती। राष्ट्रीय सरकार बनाने के लिए रास्ते खोले गए हैं लेकिन इससे भी स्थितियां कितनी सुधरेंगी कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो लोगों का जो गुस्सा है वो देश से भागे मौजूदा राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के खिलाफ है। उन्हें लगता है कि हमारे पैसों पर ये नेता एय्य्शी कर रहे हैं और हम भूखे मरने को मजबूर हैं। इसी गुस्से का इजहार राष्ट्रपति निवास में घुसे हजारों लोगों की भीड़ ने किया.. बेडरूम से लेकर, स्वीमिंग पूल तक और पूरे परिसर में इनका कब्जा यूं ही नहीं हो गया। पीएम आवास को यूं ही नहीं जला दिया गया। अप्रैल में भी ऐसे हिंसक प्रदर्शन हुए थे। राष्ट्रपति निवास के सामने आगजनी हुई थी। राजपक्षे ने डर कर अपना निवास छोड़ दिया था और कोलंबो फोर्ट में रहने लगे थे। इस बार तो वो देश से ही भाग गए। श्रीलंका में विद्रोह की ऐसी तस्वीरें पहले किसी ने नहीं देखी होंगी। शायद किसी देश में ऐसा नहीं हुआ कि राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री निवास पर सीधे तौर पर कब्जा करने और आग लगाने की ऐसी कोशिश हुई हो। नेपाल में राजशाही के खात्मे के वक्त वहां के राजमहल पर कब्जा हुआ था और तत्कालीन राजा को भागना पड़ा था, लेकिन वहां भी ऐसा भयानक मंजर नहीं आया था। सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुक्मरानों पर हमले भी कई दफा हुए, हत्याएं हुईं, लेकिन जनता का ऐसा सैलाब कभी नहीं उमड़ा। दुनिया के तमाम देश इस वक्त भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं, खासकर तीसरी दुनिया के देशों में हालात हमेशा से खराब रहे हैं। आंदोलन तो तमाम चलते ही रहे हैं, सत्ता पलटने की कोशिशें भी हुई हैं, लेकिन करीब सवा दो करोड़ की आबादी वाले श्रीलंका में पिछले तीन महीनों से जो हालात बन रहे थे, शनिवार को उसकी परिणति कुछ इस तरह हुई कि दुनिया देखती रह गई। देश में बेहद गहरे होते आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका में 'गोटा गो होम' (गोतबया वापस जाओ) आंदोलन की जिस तरह तीन महीने पहले शुरुआत हुई, तब से ये लगातार पूरे देश में फैलता गया और इसका विस्तार इस कदर हुआ कि आम जनता ने सत्ताधारियों को पूरी आक्रामकता के साथ ये संदेश दे दिया कि जनता भूखी रहे, महंगाई में पिसती रहे, ऐसे में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ऐशो आराम के साथ सरकार में नहीं बैठे रह सकते। जनता ने ही उन्हें सत्ता पर बैठाया है तो उस 'ऐशो आराम' की हकदार जनता भी है। शनिवार को ये आंदोलन और इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन तो पहले से तय था, लेकिन उसका यह रूप होगा, यह नहीं सोचा गया था।

श्रीलंका के आर्थिक-संवैधानिक संकट के बारे में समझिए

जानिए भारत पर क्या होगा इसका असर विशेषज्ञों के मुताबिक श्रीलंका के इस हालात के लिए कई चीजें जिम्मेदार हैं। एक दशक पहले के गृह युद्ध के बाद श्रीलंका घरेलू बाजार में सामानों की आपूर्ति पर लगा रहा और इसकी वजह से दूसरे देशों से आमदनी कम होने के साथ-साथ इंपोर्ट का बिल बढ़ता गया। श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार जो 2020 के शुरुआत में करीब 7.6 बिलियन डॉलर था वह अगले तीन महीने में ही घटकर 2 बिलियन डॉलर से कम हो गया। श्रीलंका में राजनीतिक संकट काफी गहरा चुका है। देश में आपातकाल लगाया जा चुका है और देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन भी हो रहे हैं। इस्तीफे का ऐलान कर चुके राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे पहले ही देश छोड़कर जा चुके हैं और देश के संवैधानिक प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री बनाए गए रनिल विक्रमसिंघे से भी तुरंत इस्तीफा देने की मांग की जा रही है। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे के दफ्तर में घुस चुके हैं और राष्ट्रीय टीवी चैनल के स्टूडियो पर कब्ज़ा कर चैनल को भी ऑफ एयर कर दिया है। क्यों बने ऐसे हालात इस तरह के हालात में सवाल यह उठता है कि आखिर यह स्थिति क्यों पैदा हुई? गौरतलब है कि श्रीलंका के पास अब विदेशी मुद्रा का भंडार नहीं बचा है, जिसका मतलब साफ है कि उसके पास अब दूसरे देशों से सामान खरीदने की क्षमता नहीं है। अगर सरकार की मानें तो इसके पीछे की वजह कोविड महामारी है

क्योंकि इसका सीधा असर पर्यटन पर पड़ा। गौरतलब है कि पर्यटन सेक्टर, श्रीलंका की कमाई का जरूरी हिस्सा रहा है। हालांकि, विशेषज्ञों का मत अलग है। विशेषज्ञों के मुताबिक, एक दशक पहले के गृह युद्ध के बाद श्रीलंका घरेलू बाजार में सामानों की आपूर्ति पर लगा रहा और इसकी वजह से दूसरे देशों से आमदनी कम होने के साथ-साथ इंपोर्ट का बिल बढ़ता गया। यही वजह रही कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार जो 2020 के शुरुआत में करीब 7.6 बिलियन डॉलर था वह अगले तीन महीने में ही घटकर 2 बिलियन डॉलर से कम हो गया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा समय में यह सिर्फ. 50 मिलियन डॉलर के आस-पास है। इसके अलावा, श्रीलंका पर चीन समेत दूसरे देशों का भारी कर्ज भी है। 2019 में टैक्स कटौती से जुड़े सरकारी फैसले को भी इसके लिए जिम्मेदार माना जा रहा है। विशेषज्ञों की मानें, तो इस फैसले से सरकार को सालाना करीब 1.4 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। यही नहीं, 2021 की शुरुआत में श्रीलंका की विदेशी मुद्रा की कमी होने के बाद सरकार ने रासायनिक उर्वरकों के आयात पर प्रतिबंध लगाते हुए किसानों को लोकल जैविक उर्वरकों का इस्तेमाल करने के लिए कहा। इससे फसल बर्बाद हुई और विदेशों से खाद्य पदार्थों की आपूर्ति की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। ऐसे हालात में जब हर सामान की कीमत बढ़ रही हो, महंगाई दर पचास प्रतिशत को पार कर चुकी हो और पूरा देश बिजली, दवाई, ईंधन की कमी से जूझ रहा हो, सबसे बड़ा सवाल यह बनता है कि सरकार के पास आगे की क्या योजना है सामानों के आयात के लिए विदेशी मुद्रा अब बचा नहीं है और आगे की व्यवस्था कैसे बहाल होगी, इसका भी जवाब नहीं है। फिलहाल, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 3 बिलियन डॉलर की राहत राशि और रूस तथा कतर से कम लागत में पेट्रोल आपूर्ति के लिए बातचीत जारी है। यही नहीं, जरूरत पड़ने पर सरकारी मालिकाना हक वाली श्रीलंकाई एयरलाइंस का निजीकरण भी हो सकता है। विश्व बैंक ने 600 मिलियन डॉलर और भारत ने 1.9 बिलियन डॉलर उधार देने पर सहमति जताई है। इसके अलावा, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका की ग्रुप-7 ने कर्ज में राहत देने का वादा किया है। संवैधानिक संकट का क्या होगा मौजूदा समय का सबसे बड़ा सवाल देश के राजनीतिक भविष्य को लेकर है। बगैर इस्तीफा दिए राष्ट्रपति के देश छोड़ने के बाद प्रधानमंत्री अंतरिम राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाल रहे हैं। संवैधानिक प्रावधानों के तहत इस नियुक्ति को मंजूरी देने के लिए संसद को एक महीने के अंदर बैठक करना अनिवार्य है, लेकिन प्रदर्शनकारी तुरंत उनके इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनके इस्तीफे के बाद स्पीकर महिंदा यप्पा अभयवर्द्धना राष्ट्रपति बन सकते हैं जो गोटाबाया के दल से ही हैं। इसका मतलब साफ है कि विपक्षी दलों का समर्थन उन्हें किसी भी हालत में नहीं मिलेगा। गौरतलब है कि सजिथ प्रेमदासा के नेतृत्व वाली विपक्षी दल का दावा है कि 113 सांसदों के समर्थन के साथ उन्हें संसद में बहुमत हासिल है। एक संभावना यह भी बनती है कि स्पीकर के बाद सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को राष्ट्रपति बनाया जाए, लेकिन इसके लिए भी संसद को प्रस्ताव पारित करना होगा जो संभव नहीं दिखता। सजिथ प्रेमदासा की एसजेपी और जेवीपी ने संयुक्त रूप से घोषणा की है कि वे सरकार बना सकते हैं, लेकिन इसके लिए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पहले इस्तीफ़ा देना होगा। आर्थिक संकट से जूझ रहे देश के पास चुनाव कराने के लिए पैसे नहीं हैं और ऐसे में यह संकट जल्दी खत्म होता नहीं दिख रहा है। भारत पर क्या होगा असर श्रीलंका में जारी राजनीतिक गतिरोध और आर्थिक संकट की वजह से भारत के समुद्री कारोबार पर असर पड़ सकता है क्योंकि भारत आने वाले 50 फीसदी से ज्यादा जहाज श्रीलंकाई बंदरगाह पर ही आते हैं। यही नहीं, इससे हर साल होने वाले करीब 4 अरब डॉलर के निर्यात और कर्ज वापसी में भी परेशानी हो सकती है। भारत के लिए श्रीलंका का महत्व कारोबारी नज़रिए से ज्यादा जियो पॉलिटिक्स के नजरिए से है। यही वजह है कि भारत काफी सतर्क है और हर घटनाक्रम पर फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है।

जीनोम एडिटिंग और भविष्य के सवाल, क्या प्रतिस्पर्धा की दौड़ में गरीबों को पीछे कर देगी ये खोज

भविष्य में जेनेटिकली इंजीनियर्ड बच्चे नॉर्मल बच्चों से कहीं ज्यादा तेज, समझदार, इम्यूनाइज्ड और प्रतिभा सम्पन्न होंगे। इंसान का ये कदम भविष्य में आर्थिक विषमता के साथ-साथ जैविक असमानता को जन्म देने वाला है। क्या आप जेनेटिकली डिजाइन्ड बेबी की कल्पना कर सकते हैं? विज्ञान के क्षेत्र में इस क्रांतिकारी घटना को साल 2018 में चीन ने मूर्त रूप दिया। चीनी वैज्ञानिकों की टीम ने एक ऐसे बच्चे को डिजाइन किया जिस पर भविष्य में एचआईवी जैसे जानलेवा वायरस का असर नहीं होगा। इस ऑपरेशन को परफॉर्म करने के लिए उन्होंने एक खास तरह के जीनोम एडिटिंग टूल ऐंघ्रईं ऍैए 9 की मदद ली। ये विज्ञान के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी घटना थी। इस घटना ने इंसानी भविष्य के समक्ष कई नई संभावनाओं को खड़ा कर दिया है। ऐसे में जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर अब चर्चाएं काफी तेज हो गई हैं। जीन्स एडिटिंग के जरिए बच्चों के हाव भाव, बुद्धिमत्ता, शारीरिक क्षमता में सामान्य के मुकाबले ज्यादा वृद्धि की जा सकेगी। भविष्य में जेनेटिकली इंजीनियर्ड बच्चे नॉर्मल बच्चों से कहीं ज्यादा तेज, समझदार, इम्यूनाइज्ड और प्रतिभा सम्पन्न होंगे। इंसान का ये कदम भविष्य में आर्थिक विषमता के साथ-साथ जैविक असमानता को जन्म देने वाला है। इससे प्रतिस्पर्धा की दौड़ में गरीब तबका आज के मुकाबले और भी ज्यादा पीछे हो जाएगा। जेनेटिक इंजीनियरिंग आने वाले समय में वैश्विक राजनीति, देशों की सुरक्षा व्यवस्था और उनके उत्थान और पतन का एक बड़ा कारण बनने वाला है क्या है जेनेटिक इंजीनियरिंग इस पृथ्वी पर हर एक जीव का अपना अलग

डीएनए होता है। डीएनए ही जीव की बनावट और उसकी संरचना को तय करता है। डीएनए को आप बायोलॉजी की दुनिया का आधार कार्ड भी कह सकते हैं, जिसमें हर एक जीव की पहचान का प्रमाण छुपा होता है। वहीं डीएनए के कुछ खास हिस्सों को जीन के रूप में जाना जाता है। इन्हीं से जीवों की विशेषताएं तय होती हैं। जीन्स माता पिता द्वारा उनकी अगली संतति में ट्रांसफर होती रहती है। वहीं जीव के सभी जेनेटिक मटेरियल को जीनोम कहा जाता है। वैज्ञानिकों द्वारा जीवों के जीनोम में किए गए बदलाव को जेनेटिक इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता है। जीनोम एडिटिंग के जरिए वैज्ञानिक पेड़-पौधों, बैक्टीरिया, जीव जन्तुओं के डीएनए में बदलाव करके उनके शारीरिक लक्षण जैसे आंखों का रंग, किसी रोग के प्रति उनको इम्यून, उनकी बनावट, कार्य करने की क्षमता आदि चीजों में बढ़ोतरी कर सकते हैं।आप जिस तरह फोटो को एडिट करते समय कई तरह के फिल्टर और टूल्स की मदद लेकर उसको काफी सुंदर बना देते हैं। ठीक उसी तरह जीनोम एडिटिंग करते समय ऐंघ्रईं टूल की मदद ली जाती है। ऐंघ्रईं तकनीक, एक कैंची की तरह जीव के डीएनए को एक खास जगह से काट देती है। इसके बाद वैज्ञानिक कटे हुए डीएनए के स्थान पर अपने मन पसंद के डीएनए को जोड़ देते हैं। ऐसा करके जीव की बनावट उसकी ऊंचाई, लंबाई, बुद्धिमत्ता आदि चीजों को अपने मन मुताबिक बढ़ाया या घटाया जा सकता है।अब तक इंसानी बच्चों की बनावट, उसकी बुद्धिमत्ता, रंग, ढंग, चाल, चलन आदि चीजें प्रकृति के ऊपर निर्भर थीं। वहीं आने वाले वक्तों में इंसान ये खुद तय कर सकेगा कि उसका बच्चा कितना होनहार और काबिल होगा। ऐसे में इस तकनीक को लेकर कई नैतिक सवाल खड़े हो रहे हैं। साल 2013 में नील ब्लूमकैंप की लोकप्रिय फिल्म त्ब्लुस् रिलीज हुई थी। फिल्म में 2154 के एक डिस्टोपियन फ्यूचर की कहानी को दिखाया गया है, जहां अमीर और साधन संपन्न लोग एक खास तरह के स्पेस स्टेशन पर रह रहे हैं। इस स्पेस स्टेशन का नाम है, जो पृथ्वी की कक्षा की परिक्रमा करता है। वहीं बाकी बचे लोग बर्बाद हो चुकी पृथ्वी पर गरीबी, लाचारी और बीमारियों के बीच लड़ झगड़ रहे हैं। इन दोनों ध्रुवीकृत समाजों में कई तरह की आर्थिक और जैविक असमानताएं हैं। फिल्म में स्पेस स्टेशन पर रह रहे लोगों के पास जीनोम एडिटिंग से जुड़ी महंगी तकनीकें होती हैं, जो हर तरह की बीमारियों को ठीक करने की क्षमता रखती हैं। वहीं दूसरी तरफ एक समाज ऐसा भी है, जो अपनी छोटी छोटी बीमारियों को लेकर जद्दोजहद कर रहा है। ऐसे में आज जेनेटिक्स के क्षेत्र में जो ये खोजें हो रही हैं। वह हमारे आने वाले भविष्य में ठीक ऐसी परिस्थितियां खड़ी कर सकती हैं, जहां समाज में आर्थिक विषमता के साथ साथ जैविक असमानता (ंगदत्दुर्मित् घ्र्लिूब) भी होगी। जीनोम एडिटिंग काफी महंगी तकनीक है। ऐसे में इसका इस्तेमाल केवल अमीर लोग ही कर सकेंगे। इस कारण उनके बच्चे साधारण बच्चों के मुकाबले ज्यादा तेज और इम्यूनाइज्ड होंगे। जीनोम एडिटिंग तकनीक के विकास से हमारा समाज एक बड़े स्तर पर पोलोराइज हो सकता है। इस खोज के होने के बाद भविष्य में हम ऐसे समाज में जी रहे होंगे, जहां कुछ लोग जेनेटिक प्योरिटी के कारण हेल्थकेयर, रोजगार और एजुकेशन में सामान्य लोगों की अपेक्षा कहीं ज्यादा अच्छा परफॉर्म करेंगे। वहीं दूसरी तरफ दुनिया भर में एक बड़ी आबादी ऐसी भी होगी, जो जेनेटिक्स की दौड़ में पीछे होने की वजह से अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की लिए आपस में लड़ रही होगी। इससे भविष्य में जेनेटिकली इंजीनियर्ड बच्चों का विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पदों पर पहुंचने की संभावना काफी बढ़ जाएगी। यही नहीं अमीर और साधन संपन्न देश जेनेटिकली इंजीनियर्ड सेना तैयार करके वैश्विक और राजनीतिक स्तर के कई अहम मोर्चों पर अपना दबदबा बना सकेंगे।

जानिए ऐसा क्यों कह रहे हैं पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबर

मक्या देश में सचमुच कोई ऐसा मध्य वर्ग है, जिसमें सांविधानिक सुधार, सरोकार और सुरक्षा से जुड़े मूल्य हैं? अखबार पढ़ते हुए, नेटफ्लिक्स से चिपके रहकर और आईपीएल से मनोरंजन करते हुए, मध्य वर्ग ने स्वेच्छा से खुद को राष्ट्रीय विमर्श से अलग कर लिया है। कभी-कभी मैं सोचता हूं कि क्या भारत में सचमुच कोई ऐसा मध्य वर्ग है, जिसमें सांविधानिक

सुधार, सरोकार और सुरक्षा से जुड़े मध्य वर्गीय मूल्य हैं। मुझे पता है कि ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके पास वे मूल्य हैं, लेकिन एक 'वर्ग' के रूप में वे मूल्य आज काफी हद तक अनुपस्थित हैं। देखा जा सकता है कि स्वतंत्रता आंदोलन इसके उलट था। 19 वीं सदी के भारत में अमीर लोगों की संख्या बहुत कम थी और बाकी लोग गरीब थे। पश्चिमी शिक्षा प्रणाली के आगमन– विशेष रूप से अंग्रेजी में पढ़ाई और अंग्रेजी की पढ़ाई– और पश्चिमी कानून व्यवस्था से एक शिक्षित मध्यवर्ती वर्ग उभरा और यही आगे चलकर मध्य वर्ग बना। पहली बार शिक्षकों, डॉक्टरों, वकीलों, जजों, सरकारी कर्मचारियों, सैन्य अधिकारियों, पत्रकारों और लेखकों का बौद्धिक वर्ग उभरा, जिसने मध्य वर्ग के मूल का गठन किया। स्वतंत्रता संघर्ष का नेतृत्व करने वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में कुछ थोड़े से नेताओं को छोड़कर अधिकांश नेता मध्य वर्ग से ही आए थे। इनमें नौरोजी, गोखले, लाजपत राय, तिलक, सीआर दास, राजेंद्र प्रसाद, पटेल, आजाद, राजगोपालाचारी, सरोजनी नायडू, कलप्पन और पोट्टी श्रीरामुलु जैसे कुछ उल्लेखनीय नाम शामिल थे। अपनी किताब हिस्ट्री ऑफ द फ्रीडम मूवमेंट इन इंडिया में डॉ. तारा चंद ने कहा है, 'लोगों में राष्ट्रीय चेतना फैलाने, राष्ट्रीय आजादी के आंदोलन को संगठित करने और अंततः देश को विदेशी शासन से मुक्त करवाने का श्रेय इसी वर्ग को दिया जाना चाहिए।' अग्रिम मोर्चे पर इन नेताओं के आह्वान पर लोग सामने आते थे।

2023 का शिखर सम्मेलन जम्मू-कश्मीर में, चीन-पाकिस्तान की बौखलाहट बढ़ा

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का रुतबा बढ़ता ही जा रहा है। जी-20 जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों के संगठन की अध्यक्षता दिसंबर, 2022 से भारत संभालने जा रहा है! दुनिया की 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के संगठन जी-20 का 2023 का शिखर सम्मेलन जम्मू-कश्मीर में करने की तैयारी को देखते हुए पाकिस्तान और चीन बौखला उठा है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सरकार ने बीते 23 जून को शिखर सम्मेलन के आयोजन को लेकर पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। पाकिस्तान और चीन का कहना है कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है, इसलिए भारत को वहां जी-20 जैसा अंतरराष्ट्रीय आयोजन करने का अधिकार नहीं है। चूंकि इन दोनों देशों का नजरिया भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रहा है, इसलिए ऐसी प्रतिक्रियाएं नई नहीं हैं। नई बात यह है कि इस बार भारत सरकार का रुख रक्षात्मक नहीं, बल्कि आक्रामक है। इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दलाई लामा को, जिन्हें चीन अपना शत्रु मानता है, जन्मदिन पर फोन करके बधाई दी। जाहिर है, प्रधानमंत्री के इस रुख से चीन चिढ़ गया और उसने तुरंत प्रतिक्रिया दी कि भारत को दलाई लामा के चीन-विरोधी अलगाववादी स्वभाव को पहचानना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत

का रुतबा बढ़ता ही जा रहा है। जी-20 जैसे आर्थिक रूप से विकसित देशों के संगठन की अध्यक्षता दिसंबर, 2022 से भारत संभालने जा रहा है! चीन की बौखलाहट इसलिए भी है कि वह अभी तक भारत को कमजोर पड़ोसी मानता था, जिसकी 38 हजार वर्ग किलोमीटर भूमि पर आक्साइ चिन क्षेत्र में उसने कब्जा किया हुआ है! वर्ष 2017 में वह भारत के सिलीगुड़ी गलियारे पर कब्जा करने के सपने देख रहा था, ताकि हमारे उत्तर पूर्वी राज्यों को देश की मुख्य भूमि से काटकर उन पर तिब्बत की तरह कब्जा कर सके! परंतु भारत ने उसके इरादों और सपनों पर पानी फेर दिया है! वह अरुणाचल प्रदेश और पूर्वी लद्दाख के क्षेत्रों पर भी दावा करता है और समय-समय पर घुसपैठ एवं झड़प को अंजाम देता है। सिलीगुड़ी गलियारे पर कब्जा करने की उसकी चाल को विफल कर भारतीय सेना ने उसे करारा जवाब दिया है। वर्ष 2019 में मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया, जिससे पूरी दुनिया में यह संदेश गया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिनन्न हिस्सा है, और विवादित क्षेत्र केवल वह है, जिन पर पाकिस्तान और चीन का अवैध कब्जा है! पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति काफी बदहाल है। ऐसे में भारत के साथ वह एक दिन भी युद्ध करने की स्थिति में नहीं है। उसे चीन पर भरोसा है। इसी कारण चीन ने 2019 में भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर में सांविधानिक सुधारों के लागू होने के तुरंत बाद पाकिस्तान की शह पर पूर्वी लद्दाख के गलवान क्षेत्र में अचानक हमला कर दिया, जिसका भारत ने करारा जवाब दिया और उसे पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। चीन अपने पड़ोस में आक्रामक विस्तारवाद को अंजाम देता आया है, और अब वह आर्थिक विस्तारवाद की नीति को अपना रहा है। आर्थिक सहायता और ऋण के नाम पर वह छोटे-छोटे देशों में प्रवेश करता है तथा धीरे-धीरे उनकी अर्थव्यवस्था पर कब्जा कर लेता है! इसका ताजा उदाहरण है श्रीलंका और हिंद महासागर व अफ्रीका स्थित देश! पाकिस्तान भी चीन के इस कर्ज जाल में फंस चुका है, जिसका वहां विरोध भी हो रहा है। भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर आधारभूत ढांचे का निर्माण करने के अलावा सीमा पर पर्याप्त सैनिकों व लड़ाकू विमानों की तैनाती की है, जिनका प्रदर्शन दोकलाम और लद्दाख की गलवान घाटी में दुनिया ने देखा है। भारत की सैन्य शक्ति में आधुनिक मिसाइलों और लड़ाकू विमानों के आ जाने से चीन अच्छी तरह से समझ गया है कि इस क्षेत्र में उसने सैनिक संघर्ष शुरू किया, तो भारत उसकी सी पैक या बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव के लिए तैयार आधारभूत ढांचे को अपनी मिसाइलों से बर्बाद कर देगा! उसे समझ में आ गया है कि भारत अब 1962 वाला भारत नहीं रहा, बल्कि शक्तिशाली देश बन गया है। वस्तुतः भारत ने वह कहावत सिद्ध कर दी है कि युद्ध की तैयारी से ही शांति की गारंटी हो सकती है!

संक्षिप्त समाचार

गाड़ी पर पत्थर गिरने से चार व्यक्ति चोटिल

नई दिल्ली। उपचार के दौरान एक की मौतकुल्लू में देर रात हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। तीन अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। जिसमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। जिला कुल्लू में गुरुवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। मुकाम बागीपुल के पास गाड़ी पर पत्थर गिरने से चार व्यक्ति चोटिल हो गए। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। घायलों का इलाज जारी है। थाना निरमंड प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराया, जहां एक ने दम तोड़ दिया।

कभी टैक्सी चलाते थे दलेर मेहंदी, यशराज बैनर से ले चुके हैं पंगा

पंजाब। इन गायकों का भी विवादों से नातापंजाबी गायकों की लंबी फेहरिस्त है, जिनका विवादों से नाता रहा है। पटियाला की अदालत ने दलेर मेंहदी की दो साल की सजा बरकरार रखी है। उनके भाई मीका सिंह, सुखविंदर पंछी और सुक्खा दिल्लीवाला का नाम भी मानव तस्करी में सामने आ चुका है। अर्शदीप सिंह चोटिया को तो सजा भी हो चुकी है। पंजाब के नामवर गायक रहे सुक्खा दिल्लीवाला मानव तस्करी और कबूतरबाजी के आरोप में तिहाड़ जेल जा चुका है। पंजाब के गायक नछत्तर गिल पर दुष्कर्म का मामला दर्ज हो चुका है। इनके अलावा केएस मक्खन पर हेरोइन तस्करी के मामले दर्ज हो चुके हैं।

13 अगस्त को राष्ट्रीय लोक अदालत सफल बनाने के लिए हुयी बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आगामी 13 अगस्त को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के उद्देश्य से मा0 जनपद न्यायाधीश गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती शिवानी त्यागी की अध्यक्षता में आज बैंक, बीएसएनएल, एनपीसीएल व यातायात पुलिस विभाग के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारीगण

को राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटीगेशन स्तर पर अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित करने तथा पक्षकारों को सम्मन/नोटिस आदि भिजवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करवाने के उद्देश्य से आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। उक्त बैठक में श्रीमती शिवानी त्यागी सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतमबुद्धनगर, श्री प्रवीण कुमार एसीपी यातायात, श्री आशुतोष सिंह यातयात निरीक्षक, श्री विधुर भूला जिला अग्रणी प्रबंधक, श्रीमती सोनल वुशवाहा बीएसएनएल, श्री कपिल शमा लीगल हेड एनपीसीएल उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने दिए निर्देश, स्वतंत्रता दिवस के इस अविस्मरणीय अवसर पर कोई छुट्टी मनाने न जाए

नई दिल्ली। इस बार 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह के तहत हर घर तिरंगा फहराना है। इसलिए हर व्यक्ति अपने तरीके से इस स्वतंत्रता सप्ताह से जुड़े। इस दौरान सभी के घरों, सरकारी गैर सरकारी दफ्तरों, संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराया जाए। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि भारत की आजादी के अमृत पर्व पर आयोजित इस बार का स्वतंत्रता दिवस विशेष है। इस बार 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह के तहत हर घर तिरंगा फहराना है। इसलिए हर व्यक्ति अपने तरीके से इस स्वतंत्रता सप्ताह से जुड़े। इस दौरान सभी के घरों, सरकारी गैर सरकारी दफ्तरों, संस्थानों, सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहराया जाए वह बृहस्पतिवर को इसकी तैयारियों के लिए प्रदेश भर के विभिनन नागरिक गैर सरकारी संगठनों के साथ बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज के हर एक वर्ग, हर तबके, हर सामाजिक संगठन, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, एनसीसी कैडेट, नेहरू युवा केंद्र, गांव के नवयुवक मंगल दल, महिला स्वयंसेवी संगठनों, खेल

क्षेत्र व व्यापारी संगठन आदि को इससे जोड़ें। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, बलिदानी वीरों, सेना और पुलिस के शहीदों के परिजनों को ब्लॉक पर जिले में कार्यक्रमों में बुलाकर उन्हें सम्मानित किया जाए।उन्होंने कहा कि भविष्य में 25 वर्षों के बाद ही ऐसा अवसर आएगा। इसलिए ऐसा माहौल रहे कि पूरी दुनिया देखे। इस अविस्मरणीय अवसर पर कोई छुट्टी मनाने न जाए। स्वतंत्रता सप्ताह पर्व महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहे, बल्कि हर एक नागरिक का कार्यक्रम बने। पूरे सात दिन तक उत्सव का माहौल हो। उन्होंने स्वयंसेवी सगठनों से अपील की है कि ऐसे सामाजिक संगठन वर्षों से जनता के बीच में सेवा कार्य कर रहे हैं। इसलिए लोगों को इससे जोड़ें। खेल प्रतिस्पर्धा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत-संगीत, तीज, त्योहार से जुड़े सभी आयोजनों को आजादी के अमृत पर्व से जोड़ें। कानपुर के पार्षद श्यामलाल गुप्ता का लिखा विजयी विश्व तिरंगा प्यारा गान व अन्य देशभक्ति गीतों का सस्वर गान किया जाए। स्वतंत्रता दिवस पर दीपावली जैसी साफ.-सफाई का विशेष अभियान चलाया जाए। लोगों को आजादी की उपयोगिता और महत्व बताएं। इस अवसर पर प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश मेश्राम व जिलाधिकारी लखनऊ सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

आईबी पर घुसपैठ की फिराक में आतंका

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के चलते सुरक्षा एजेंसियां सतर्कसैन्य अधिकारियों ने बताया कि तीन से चार आतंकियों का दल आतंकी लांचपैड बड़ा भाई मंसूर में शरण लिए हुए है। इनकी गतिविधियां हाल ही में इससे सटे पाकिस्तान के गांव अभ्याल डोगरा, ठाकुरपुरा और भीखा चक में भी महसूस की गई हैं। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से आतंकियों का दल घुसपैठ की की फिराक में है। इसके इनपुट मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से बीओपी पहाड़पुर, पानसर और सतपाल के ठीक सामने पड़ते पाकिस्तान के गांव में संदिग्ध हलचल देखी गई है। बताया गया है कि तीन से चार आतंकियों का दल आतंकी लांचपैड बड़ा भाई मंसूर में शरण लिए हुए है। इनकी गतिविधियां हाल ही में इससे सटे पाकिस्तान के गांव अभ्याल डोगरा, ठाकुरपुरा और भीखा चक में भी महसूस की गई हैं। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट जारी कर दिया गया है।

दलाईलामा धर्मशाला से लद्दाख रवाना, 15 दिन की होगी यात्रा

नई दिल्ली। दलाईलामा वीरवार रात जम्मू में ठहरेंगे। इसके बाद शुक्रवार सुबह लद्दाख के लिए निकलेंगे। लंबे समय बाद अपने धर्मगुरु को देखने के लिए लद्दाख में रह रहे तिब्बती शरणाथिर्यों में खासा उत्साह है। तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा लद्दाख के लिए वीरवार सुबह धर्मशाला से रवाना हुए। वह 15 दिन की लद्दाख की यात्रा पर रहेंगे। कोरोना काल में करीब दो साल तक अपने मैक्लोडगंज स्थित आवास पर आइसोलेशन में रहने के बाद दलाईलामा की धर्मशाला से बाहर यह पहली यात्रा है। वहीं, उनके लद्दाख दौरे को लेकर चीन की भी पूरी नजर रहेगी। ड्रैगन हमेशा उनके लद्दाख दौरे का विरोध जताता रहा है। इस बार भी चीन भड़क सकता है। जानकारी के अनुसार दलाईलामा वीरवार रात जम्मू में ठहरेंगे। इसके बाद शुक्रवार सुबह लद्दाख के लिए निकलेंगे। लंबे समय बाद अपने धर्मगुरु को देखने के लिए लद्दाख में रह रहे तिब्बती शरणाथिर्यों में खासा उत्साह है। तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाईलामा लद्दाख के लिए वीरवार सुबह धर्मशाला से रवाना हुए। वह 15 दिन की लद्दाख की यात्रा पर रहेंगे। कोरोना काल में करीब दो साल तक अपने मैक्लोडगंज स्थित आवास पर आइसोलेशन में रहने के बाद दलाईलामा की धर्मशाला से बाहर यह पहली यात्रा है। वहीं, उनके लद्दाख दौरे को लेकर चीन की भी पूरी नजर रहेगी। ड्रैगन हमेशा उनके लद्दाख दौरे का विरोध जताता रहा है। इस बार भी चीन भड़क सकता है। जानकारी के अनुसार दलाईलामा वीरवार रात जम्मू में ठहरेंगे। इसके बाद शुक्रवार सुबह लद्दाख के लिए निकलेंगे। लंबे समय

दलाईलामा धर्मशाला से बाहर नहीं गए। कोरोना संक्रमण के चलते उन्होंने स्वयं को अपने मैक्लोडगंज स्थित आवास में आइसोलेट कर लिया था। इस दौरान उनका किसी से भी मिलना-जुलना नहीं हुआ। दुनिया भर के अनुयायियों से वह वर्चुअली रू-ब-रू होते रहे। पिछले महीने लद्दाख के बौद्ध संघ के प्रतिनिधियों ने मैक्लोडगंज में उनसे मुलाकात की थी। संघ के प्रतिनिधियों ने दलाईलामा को लद्दाख आने का निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया था। भारत पर भड़क सकता है चीन दलाईलामा ने 2018 में लद्दाख में अपना जन्मदिन मनाया था। उस दौरान भी चीन की तरफ से भारत के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया आई थी। अभी जुलाई के पहले सप्ताह दलाईलामा के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी थी। उस पर भी चीन ने कड़ी नाराजगी जताई थी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने कहा था कि भारत को चीन के आंतरिक मामलों में दखल देने से परहेज करते हुए तिब्बत से जुड़े मुद्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। ऐसे में तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा के लद्दाख दौरे को लेकर चीन एक बार फिर भड़क सकता है।

लुधियाना सिविल अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में युवक की हत्या

पंजाब। वीडियो में कैद हुए हमलावरलुधियाना सिविल अस्पताल में गुरुवार देर रात मारपीट के बाद इलाज कराने आए ताजपुर रोड के ईडब्लूएस कालोनी निवासी श्रवण कुमार पर कुछ युवकों ने तेजधार हथियार से हमला कर उसकी हत्या कर दी।

राजभर आज कर सकते हैं सपा से गठबंधन समाप्त करने का एलान 'कमल' खिलाने की अटकलें

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी सुभासपा के रुख की करेंगे घोषणा। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर हुई बैठक में सपा अध्यक्ष द्वारा न बुलाए जाने के बहाने राजभर गठबंधन को लेकर बड़ी घोषणा कर सकते हैं। एमएलसी को लेकर बड़ी घोषणा कर सकते है। राजभर ने शुक्रवार को सवेरे प्रेस कांफ्रेंस बुलाई है। इसे लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। दरअसल, राजभर और अखिलेश के बीच तनातनी विधानसभा चुनाव का परिणाम आने

चुनाव के बाद से ही सपा अध्यक्ष से नाराज चल रहे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर शुक्रवार को सपा से गठबंधन समाप्त करने का एलान कर सकते हैं। हालांकि उनका कहना है कि फिलहाल वह राष्ट्रपति के चुनाव में सुभासपा के रुख को लेकर अपना पक्ष रखेंगे। लेकिन सूत्रों का कहना है राष्ट्रपति चुनाव को लेकर हुई बैठक में सपा अध्यक्ष द्वारा न बुलाए जाने के बहाने राजभर गठबंधन के बाद से ही शुरू हो गई थी। चुनाव नतीजों के बाद से ही राजभर सार्वजनिक रूप से सपा अध्यक्ष पर निशाना साधने लगे और यहां तक कह दिया था कि एसी कमरे में बैठकर चुनाव नहीं जीता जा सकता है। दोनों के बीच में अधिक तल्खी हाल में हुए विधान परिषद के चुनाव को लेकर बढ़ गई थी। राजभर अपने बेटे अरविंद राजभर को विधान परिषद भेजना चाहते थे, लेकिन अखिलेश ने राजभर के स्थान पर रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को ज्यादा तरजीह दी। इससे भी राजभर नाराज हैं। दोनों के बीच खींचतान चल ही रही थी, कि राष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्ष के प्रत्याशी यशवंत सिन्हा की मौजूदगी में हुई बैठक में अखिलेश ने राजभर को पूछा तक नहीं और जयंत चौधरी को बुलाकर मंच भी साझा किया। सपा अध्यक्ष की इस सियासी चाल ने आग में घी का काम किया और तभी से राजभर अखिलेश पर खुलेआम हमले बोल रहे हैं। राजभर का यह भी कहना है कि बैठक में न बुलाए जाने की वजह जानने के लिए उन्होंने कई बार सपा अध्यक्ष से मिलने की कोशिश भी की, लेकिन अखिलेश ने उनसे बात करना जरूरी नहीं समझा। इसलिए हम राष्ट्रपति चुनाव में अपनी भूमिका अलग रहकर ही तय करेंगे भाजपा से निकटता को लेकर भी अटकलें सपा से तल्खी बढ़ने की वजह राजभर की भाजपा से नजदीकी बढ़ाने की कोशिशें भी मानी जा रही है। इससे सपा और सुभासपा के बीच खाई और बढ़ गई है। सूत्रों कहना है कि पिछले कुछ दिनों से राजभर भाजपा के कुछ नेताओं से लगातार संपर्क में हैं। अटकलें तो यह भी है कि राजभर 22 जुलाई के बाद कभी भी दिल्ली जाकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिलेंगे। इसके बाद अपनी नई सियासी डगर पकड़ सकते हैं।

बुर्के वाली युवती ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी को पीटा, रॉन्ग ड्राइव करने से रोकने पर हुई झड़प

मध्य प्रदेश। इंदौर में एक बुर्के वाली युवती ने अपने साथी के साथ मिलकर ट्रैफिक पुलिसकर्मी की पिटाई कर दी। ट्रैफिक पुलिसकर्मी का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने बाइक सवार युवक-युवती को बीच सड़क रॉन्ग ड्राइव करने से रोका था। इंदौर में एक बुर्के वाली युवती ने अपने साथी के साथ मिलकर ट्रैफिक पुलिसकर्मी की पिटाई कर दी। ट्रैफिक पुलिसकर्मी का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने बाइक सवार युवक-युवती को बीच सड़क रॉन्ग ड्राइव करने से रोका था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में काफी वायरल हो रहा है। घटना गुरुवार शाम की बताई जा रही है। मारपीट करने वाले युवक युवती रानीपुरा के रहने वाले हैं। वायरल वीडियो में युवक और बुर्का पहने हुई युवती पुलिसकर्मी के साथ हाथापाई करते नजर आ रहे हैं, जबकि ट्रैफिक पुलिसकर्मी अपना बचाव करते हुए दिख रहा है। हाथापाई के दौरान घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई, इसी दौरान किसी ने वीडियो बनाया जो कि वायरल हो रहा है। मामले की शिकायत पर हाथापाई करने वाले युवक पर मामला दर्ज किया गया है। घटना गुरुवार शाम की भमौरी क्षेत्र की बताई जा रही है। यहां के एक चौराहे पर ट्रैफिक जवान रंजीत सिंह ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने बाइक सवार युवक-युवती को रोका और गाड़ी गलत तरीके से चलाने की बात कहीं। इस बात पर दोनों उससे मारपीट करने लगे। घटना की जानकारी जवान ने पुलिस के अधिकारियों को दी, मामला सामने आने के बाद युवक के खिलाफ विजय नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। घटना के बारे में ट्रैफिक डीसीपी बसंत कोल ने कहा कि जब ट्रैफिक को सुचारु रूप से चलाने के लिए ट्रैफिक के प्रधान आरक्षक रंजीत सिंह चौराहे पर व्यवस्था संभाल रहे थे। उन्होंने बाइक सवार युवक-युवती से गलत तरीके से गाड़ी चलाने की बात कही, जिस पर युवती ने पुलिसकर्मी के साथ हाथापाई शुरू कर दी। जिसके बाद युवती के साथ मौजूद युवक सोहेल ने भी पुलिसकर्मी के साथ मारपीट कर दी। मारपीट करने वाले सोहेल पर पहले से ही 3 केस दर्ज हैं। वहीं ट्रैफिक पुलिसकर्मी के साथ हाथापाई करने पर ट्रैफिक विभाग ने विजय नगर थाने में मामला दर्ज करा दिया है। घटना के बाद पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया है।

हाईकोर्ट के शासन को स्पष्ट निर्देश, कहा- संविदा कर्मियों को सीधी भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण दें

जबलपुर। हाईकोर्ट के शासन को स्पष्ट निर्देश, कहा- संविदा कमिर्यों को सीधी भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण दें न्यूज डेस्क, अमर उजाला, जबलपुर अंकिता विश्वकर्माजस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने पीएचई विभाग में संविदा पर कार्यरत् कर्मियों के मामले का निराकरण करते हुए शासन को निर्देशित किया है, वे संविदा कर्मियों को सीधी भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण देने पर विचार करें। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस एमएस भट्टी की एकलपीठ ने पीएचई विभाग में संविदा पर कार्यरत् कमिर्यों के मामले का निराकरण करते हुए शासन को निर्देशित किया है, वे संविदा कमिर्यों को सीधी भर्ती में 20 फीसदी आरक्षण देने पर विचार करें। इस निर्देश के साथ न्यायालय ने मामले का पटाक्षेप कर दिया। हाईकोर्ट में यह मामला पीएचई विभाग में कार्यरत कमिर्यों ने अधिवक्ता रामेश्वर सिंह की ओर से दायर किया था, जिसमें राहत चाही गई थी कि सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र 18 जून 2018 में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि शासन स्तर पर की जाने वाली समस्त प्रकार की सीधी भर्तियों में (क्लास वन तथा क्लास टू) को छोड़कर कम से कम 5 वर्ष से कार्यरत संविदा कर्मचारियों को 20 फीसदी आरक्षण का लाभ दिया जाएगा और उक्त आरक्षण का लाभ सिर्फ एक बार

ही दिया जाएगा। इतना ही नहीं जिस पद पर संविदा पर हैं उस पद की 90 फीसदी सैलरी भी दी जाएगी। मध्य प्रदेश के लगभग 38 विभागों में कार्यरत संविदा कमिर्यों को कुछ विभागों द्वारा तो 90 फीसदी सैलरी दी जा रही है तथा कुछ विभागों में फिक्स सैलरी दी जा रही है। लेकिन शासन स्तर पर की जाने वाली सीधी भतिर्यों में आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। लोक सेवा आयोग द्वारा 2019, 2020 तथा 2021 की भतिर्यों में भी संविदा कमिर्यों को आरक्षण का लाभ नही दिया गया है। सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने शासन के पीएचई विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र का पालन 90 दिवस के अंदर सुनिश्चित करें।

तीन लाख 70 हजार की जनसंख्या का जिला पहुंचा 15 लाख के पार

हरियाणा । जींद जिले की जनसंख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है लेकिन उस हिसाब से सुविधाएं नहीं बढ़ रही हैं। जिले में जनसंख्या के हिसाब से सबसे अधिक शिक्षा व स्वास्थ्य के सुधार की जरूरत है। 1966 में जब जींद जिला बना उस समय जिले की जनसंख्या तीन लाख 70 हजार थी लेकिन अब आबादी 15 लाख को पार कर गई है। कभी जींद शहर में तांगा चौक के नाम से 10 दुकानों में ही पूरा बाजार था लेकिन आज रेलवे स्टेशन से लेकर पिंडारा गांव तक लगभग 12 किलोमीटर तक फैल गया है। बढ़ती जनसंख्या के अनुसार सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। शहर में सीवरेज की समस्या बड़ी गंभीर है। स्कूलों में सीट तो अस्पतालों में चिकित्सक नहीं हैं। जिस हिसाब से आबादी बढ़ी है, उस हिसाब से जिला पूरी तरह तैयार नहीं किया जा रहा है। शहर में पार्किंग की कोई सुविधा नहीं है बाजारों में भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि यहां से व्यक्ति बाइक पर नहीं निकल

सकता। पैदल भी बड़ी मुश्किल से निकला जा सकता है। जिस समय जिला अलग बना था, उस समय लोग तांगा या रिक्शा में चलते थे लेकिन आज शहर से तांगा व रिक्शा पूरी तरह से गायब हो गए हैं। इनके स्थान पर ई-रिक्शा व ऑटो चल पड़े हैं। शहर में ऐसी कोई सड़क नहीं जहां पर एक मिनट में 100 से अधिक वाहन नहीं निकलते हों। पटियाला चौक तथा गोहाना रोड पर तो यह संख्या 500 के पार है। भविष्य के लिए चुनौतियां शहर में कुल आपूर्ति का 20 से 25 प्रतिशत पानी लीकेज और चोरी के चलते बर्बाद हो रहा है। इसके अलावा भूजल कई गांवों में तो 100 मीटर को भी पार कर गया है। जिला प्रशासन ने ऐसे 22 गांवों का चयन किया है, जहां भूजल काफी नीचे है। यहां किसानों को टपका सिंचाई पर शतप्रतिशत सब्सिडी देने का प्रावधान किया है। तेजी से बढ़ रही गाडिया शहर में जहां पहले तांगे व रिक्शा थी, अब महंगी-महंगी गाडिय.ां सड़क पर दौड़ती नजर आती हैं। जनसंख्या बढने के साथ-साथ गाड़ियों की संख्या भी बढ़ गई है। जिले में एक हजार लोगों पर 380 गाडियां हैं।

राष्ट्रपति चुनाव में द्रोपदी मुर्मू को वोट देंगे अभय चौटाला, बोले कांग्रेस का कोई भरोसा नहीं

रोहतक। 25 सितंबर को फतेहाबाद में देवीलाल जयंती मनाई जाएगी। इनेलो नेता ने रोहतक में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया इनेलो नेता एवं हरियाणा के ऐलनाबाद से विधायक अभय चौटाला ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में वे महिला प्रत्याशी द्रोपदी मुर्मू को वोट देंगे। क्योंकि मुर्मू एक तो महिला वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, दूसरा आदिवासी समुदाय से हैं। जबकि कांग्रेस का कोई भरोसा नहीं है। कहीं राष्ट्रपति चुनाव में भी राज्यसभा चुनाव की तरह कांग्रेस में कोई खेल न हो जाए। चौटाला गुरुवार को पुराने बस स्टैंड के नजदीक कम्यूनिटी सेंटर में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। चौटाला ने कहा कि 25 सितंबर को फतेहाबाद में चौधरी देवीलाल की जयंती मनाई जाएगी, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के नेता व गणमान्य लोग आएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का कोई खौफ नहीं रहा है। आज न तो विधायक और न ही जनता सुरक्षित है। बेरोजगारी में प्रदेश नंबर एक हो गया है साथ ही अपराध के मामले में बिहार से भी आगे निकल गए हैं। दूसरी तरफ

प्रदेश के मुख्यमंत्री विकास का दावा कर रहे हैं। वहीं, पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर चौटाला ने कहा कि कांग्रेस का कोई भरोसा नहीं है, कहीं राज्यसभा चुनाव की तरह राष्ट्रपति चुनाव में भी कोई खेल न हो जाए। इनेलो प्रदेश अध्यक्ष नफे सिंह राठी ने कहा कि अगली सरकार इनेलो की बनेगी। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नगर निकाय चुनाव में गठबंधन सरकार को सिर्फ 26 फीसदी मत मिले हैं जबकि पहले भाजपा को 45 फीसदी से अधिक मत मिले थे। इस दौरान इनेलो जिलाध्यक्ष सतीश राठी, पूर्व सांसद कैप्टन इन्द्र सिंह, पूर्व विधायक बलवंत सिंह मायना, डॉ. नफे सिंह लाहली, कृष्ण कौशिक एडवोकेट, वेद भराण, ताजबीर शिमली, विनेश लाकड़ा, पुनित मायना, करतार काहनी, यादराम सरपंच, शीला खरैटी, सुशीला राणा, नीतू मलिक, ईश्वर सिंह मलिक, अरविंद गोस्वामी, सूरज देहराज, राजबीर वाल्मीकि, समरजीत नरवाल, सरदार जसबीर जस्सा, धुरेन्द्र सिवाच, दलेल ढाका, भोला सुढाणा, कुंती देवी, दिनेश सहरावत, सुरेन्द्र कन्हेली, पंकज हुमायुपुर, कृष्ण सांपला, हैप्पी भालौठ, राजेश कटवाडा, मास्टर मुखतयार सिंह, बल्लू बालंद, भीम दलाल, जोगेन्द्र आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गुड लक जैरी' का ट्रेलर हुआ रिलीज, जान्हवी का कॉमिक अंदाज देखकर आप भी हो जाएंगे फैन

नई दिल्ली ।जान्हवी कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गुड लक जैरी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर काफी शानदार है। इस फिल्म में जान्हवी अलग अंदाज में नजर आने वाली हैं। ट्रेलर खूब हंसी मजाक से भरपूर है जिसको देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म दर्शकों पर अपना जादू चला सकती है। फिल्म में जान्हवी बिहार की एक साधारण लड़की का रोल निभा रही हैं।

विवेक अग्निहोत्री ने शाहरुख सलमान पर कसा तंज, कहा जब तक बॉलीवुड में ये किंग्स, सुल्तान.....

नई दिल्ली । साल 2022 के बीते छह महीने बॉलीवुड के लिए काफी उतार-चढ़ाव वाले रहे। साल की शुरुआत में फिल्म इंडस्ट्री इस बात का जश्न मना रही थी कि

आखिरकार दो साल बाद सिनेमाघर सौ फीसदी क्षमता के साथ खुल गए हैं। लेकिन उन्हें तब इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि इन दो सालों में सिनेमा देखने वाली ऑडियंस का टेस्ट पूरी तरह बदल गया है। यही कारण था कि कोरोना महामारी के बाद साल 2022 में रिलीज हुई पहली फिल्म 'बधाई दो' फ्लॉप हो गई। वहीं आलिया भट्ट की गंगूबाई काठियावाड़ी उम्मीद के मुताबिक कलेक्शन नहीं कर पाई। हां फिल्म हिट जरूर हुई थी लेकिन संजय लीला भंसाली की फिल्म को उतना हाइप नहीं मिल पाया जितना कोरोना काल से पहले मिल सकता था। फिर आई 32 साल पुरानी कहानी, 'द कश्मीर फाइल्स'। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार की इस घटना ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया, बल्कि देश की जनता को भी भावुक कर दिया। बता दें कि बॉलीवुड की यह इकलौती फिल्म है जिसने आईएमडीबी की टॉप 5 फेवरेट फिल्म्स की लिस्ट में जगह बनाई है। यही कारण है कि 'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने अपनी फिल्म का उदाहरण लेते हुए शाहरुख खान और सलमान खान पर तंज कसा है। जी हां, निर्देशक ने दोनों अभिनेताओं का नाम लिए बिना उन्हें बॉलीवुड के डूबने का कारण बताया है। निर्देशक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्वीट कर लिखा, 'जब तक बॉलीवुड में ये किंग, बादशाह और सुल्तान रहेंगे, तब तक हिंदी सिनेमा डूबते रहेगा। यदि आप लोगों की कहानी के सहारे इसे लोगों की इंडस्ट्री बनाएंगे, तभी यह ग्लोबल फिल्म इंडस्ट्री को लीड कर पाएगी। यह फैक्ट है।'

जब रणबीर कपूर पर भड़क गई थी हॉलीवुड की यह अभिनेत्री

नई दिल्ली । बीच सड़क अभिनेता को सुनाई खरी-खोटीबॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर इन दिनों फैंस के बीच छाए हुए हैं। उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में काफी कुछ चल रहा है। रणबीर कपूर जल्द ही पिता बनने वाले हैं। इसके अलावा, उनकी दो फिल्में 'शमशेरा' और 'ब्रह्मास्त्र' रिलीज होने के लिए तैयार हैं। ऐसे में

रणबीर भी अपनी इन दोनों फिल्मों का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। लेकिन आज हम आपको रणबीर कपूर से जुड़ा एक ऐसा किस्सा बताने जा रहे हैं, जिसमें रणबीर कपूर को एक हॉलीवुड एक्ट्रेस से फटकार पड़ी थी। इस एक्ट्रेस ने रणबीर को बीच सड़क ही कुछ ऐसा कहा था, जिससे रणबीर कपूर का दिल टूट गया था। दरअसल, रणबीर कपूर हॉलीवुड एक्ट्रेस नैताली पोर्टमैन के फैन हैं। अभिनेता उन्हें काफी पसंद करते हैं। इसी वजह से जब रणबीर ने नैताली को न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखा तो वह उनके पीछे चलने लगे। इस बात का खुलासा रणबीर ने कपिल शर्मा के शो में किया था। रणबीर ने इस शो में बताया था कि मैं न्यूयॉर्क की सड़कों पर अपने होटल की तरफ भाग रहा था। इसी दौरान मेरे पास से नैताली पोर्टमैन गुजरीं और मेरी नजर उनसे टकरा गई। रणबीर कपूर ने आगे बताया था कि मैं उनका बहुत बड़ा फैन था इसलिए उनके साथ मैं एक फोटो लेना चाहता था। मैंने उन्हें देखते ही उनके पीछे-पीछे हो गया। तब मैंने उनसे कहा कि प्लीज एक फोटो, एक फोटो, एक फोटो। हालांकि, मैंने देखा नहीं था कि वह फोन पर किसी से बात कर रही थीं और रो भी रही थीं। तब उन्होंने मुझे गुस्से में देखा और चिल्लाकर बोलीं- चले जाओ यहां से। रणबीर ने आगे बताया कि इसके बाद मैं वहां से चला गया था लेकिन मेरा दिल भी टूट गया था। गौरतलब है कि रणबीर कपूर की फिल्म 'शमशेरा' 22 जुलाई को रिलीज हो रही है, जिसमें रणबीर का डबल रोल है। इस फिल्म में रणबीर कपूर के अलावा, वाणी कपूर हैं और संजय दत्त भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। संजय दत्त का लुक काफी खौफनाक है। इस फिल्म का निर्देशन करण मल्होत्रा ने किया है। वहीं, रणबीर कपूर की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' 9 सितंबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में रणबीर और आलिया पहली बार स्क्रीन शेयर करते दिखाई देंगे।

काली' पोस्टर विवाद पर ही नहीं अशोक स्तंभ पर भी विपक्ष को घेर चुके हैं अनुपम, पढ़िए उनके पांच बयान

नई दिल्ली । अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और हर मसले पर मुखर होकर अपनी राय देते नजर आते हैं। हाल ही में अभिनेता ने राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ पर चल रहे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। अनुपम खेर ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए लिखा, 'अरे भाई! शेर के दांत होंगे तो दिखाएगा ही! आखिरकार स्वतंत्र भारत का शेर है। ज़रूरत पड़ी तो काट भी सकता है! जय हिंद!' बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब अभिनेता ने किसी विवाद पर अपनी राय दी हो, इससे पहले भी अनुपम खेर कई बार अपने बयानों को लेकर चर्चा में आ चुके हैं। आइए जानते है एक बार वर्ष 2016 में अभिनेता अनुपम खेर ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को करारा जवाब दिया था। दरअसल ओवैसी ने 'भारत माता की जय' नारे के विरोध में विवादित बयान दिया था। इस पर अनुपम खेर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'भारत माता की जय कहना ही देशभक्ति की इकलौती परिभाषा होनी चाहिए। बाकी सब बचाव के रास्ते है।' बता दें कि महाराष्ट्र के लातूर में एक रैली में ओवैसी ने कहा था, 'मैं यह नारा (भारत माता की जय) नहीं बोलूंगा, क्या कर लोगे भागवत साहब। अगर मेरी गर्दन पर चाकू रख दोगे तो भी मैं यह नारा नहीं बोलूंगा। हमारे संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि भारत माता की जय बोलना जरूरी है। इसकी आजादी मुझे मेरा संविधान देता है।' अनुपम खेर इससे पहले नसीरुद्दीन शाह के विवादित बयान पर भी टिप्पणी कर चुके हैं। दरअसल एक बार नसीरुद्दीन शाह ने बयान दिया था कि, 'हमने बुलंदशहर हिंसा में देखा कि आज देश में एक गाय की मौत की अहमियत पुलिस ऑफिसर की जान से ज्यादा होती है। इन दिनों समाज में चारों तरफ जहर फैल गया है।' उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात से डर लगता है कि अगर कही मेरे बच्चों को भीड़ ने घेर लिया

और उनसे पूछा जाए कि तुम हिंदू हो या मुसलमान? मेरे बच्चों के पास इसका कोई जवाब नहीं होगा। पूरे समाज में जहर पहले ही फैल चुका है।' इस पर अनुपम खेर ने कहा था, 'वे मेरे सीनियर है। दिल्ली नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में साथ रहे। हमारे देश की यही आजादी है कि जो कुछ भी बोलना चाहता है, वह बोल लेता है। हमारे यहां इतनी आजादी है कि सेना को भी गाली दे सकते हैं। एयर चीफ को भी गाली दे सकते हैं। जरूरी नहीं कि वह जो बोल रहे हैं, वह सच हो। कोई आदमी जब किसी पर लांछन लगाता है तो उनकी प्रवृत्ति पता चलती है।' वर्ष 2017 में एक डिबेट के दौरान अनुपम खेर ने असहिष्णुता के मुद्दे पर कहा था, 'इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाकर सबसे बड़ी असहिष्णुता दिखाई थी। कांग्रेस के नेता दिग्विजय सिंह ने तो एक महिला नेता को टंच माल तक कह दिया था। जिन लोगों ने इस तरह की बदतमीजी की है, पार्टी में कुछ ऐसे लोग है जो बकवास करते हैं चाहे वह साध्वी है, योगी है उनको अंदर कर देना चाहिए, उनको डांटना चाहिए और निकाल देना चाहिए।' हालांकि, बाद में योगी आदित्यनाथ ने भी अनुपम खेर की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'सभी को विलेन का कैरेक्टर पता होता है। अनुपम सिर्फ पर्दे पर ही नहीं, असल जिंदगी में भी विलेन हैं। उनके दिए बयान पर इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता।' वर्ष 2019 में अयोध्या मंदिर के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने से पहले अनुपम खेर ने एक ट्वीट किया था, जो काफी वायरल हुआ। उन्होंने लिखा था, 'अल्लाह तेरो नाम, ईश्वर तेरो नाम। सबको सम्मति दे भगवान।' आपको सोशल मीडिया पर साझा किया गया वह वीडियो याद होगा, जिसमें सेना की जीप के बोनट पर एक युवक को बांधकर ले जाया जा रहा था। इस पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने टिप्पणी करते हुए कहा था, 'घाटी में लोगों को एक तरफ आंतकवादी मार रहे हैं तो दूसरी तरफ सेना।' उनके इस बयान की जमकर आलोचना हुई थी। इसके बाद अनुपम खेर ने भी करारा जवाब दिया था। अनुपम खेर ने दिग्विजय सिंह के उस बयान को बेवकूफी भरा बताया था। उन्होंने कहा था, 'यह दुखद है कि लोग चर्चा में आने के लिए ऐसी टिप्पणी करते हैं।' इसके साथ ही अनुपम खेर ने कश्मीर में जवानों के साथ दुर्व्यवहार को दिखाने वाली वीडियो पर चुप्पी साधने को लेकर छद्म बुद्धिजीवियों की आज आलोचना करते हुए कहा कि कई बार किसी के लिए राष्ट्रवाद दिखाना जरूरी हो जाता है। उन्होंने कहा था, 'हम राष्ट्रवादी होने का ठप्पा नहीं रखते, हम अपने दिलों में राष्ट्रवाद को रखते हैं।'

45 हजार की साड़ी पहनकर मौनी रॉय ने ढाया कहर, देसी लुक देखकर फैंस हार बैठे दिल

नई दिल्ली । छोटे पर्दे पर धमाल मचाने के बाद मौनी रॉय ने बॉलीवुड में भी पैर जमाना शुरू कर दिया है। अपनी एक्टिंग और लुक्स की वजह से बहुत कम समय में ही मौनी ने जबरदस्त फैन फॉलोइंग हासिल कर ली है। इंस्टाग्राम पर उन्हें फॉलो करने वालों की संख्या दो करोड़ से भी ज्यादा है। उनकी

पोस्ट का फैंस को बेसब्री से इंतजार रहता है। हाल ही में मौनी ने ट्रेडिशनल लुक में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। मौनी ने ये तस्वीरें अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर की है। इन फोटोज में मौनी रेड साड़ी में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने इस लुक में कुल छह फोटोज शेयर की है जो उनके फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। अपनी बोल्ड अदाओं के लिए पहचानी जाने वाली मौनी के इस देसी अवतार की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। फोटोज में देखा जा सकता है कि मौनी ने सिंपल रेड साड़ी पर भारी कढ़ाई वाला ब्लाउज कैरी किया है। बताया जा रहा है कि इस साड़ी की कीमत 45 हजार रुपए से ज्यादा है।मौनी के इन फोटोज पर फैंस के रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं। एक यूजर ने मौनी के इस लुक की तारीफ करते हुए लिखा, 'आप बहुत खूबसूरत लग रही हैं।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'बहुत सुंदर फोटोज हैं मौनी।' इसके अलावा ज्यादातर फैंस ने हार्ट इमोजी बनाकर अपना प्यार लुटाया। टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के बाद अब मौनी बॉलीवुड में भी सफलता की नई सीढ़ियां चढ़ रही हैं। वह जल्द ही अयान मुखर्जी की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आने वाली हैं। हाल ही में रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर में उनका लुक सामने आया था जिसे लोगों ने काफी पसंद किया है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन और नागार्जुन मुख्य किरदार में दिखेंगे। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी यह फिल्म 9 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

धनुष ने साझा किया हॉलीवुड फिल्म 'द ग्रे मैन' का अनुभव, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली । बॉलीवुड सिनेमा के साथ ही साउथ के सितारे भी अब हॉलीवुड में कदम जमा रहे है। दक्षिण भारतीय अभिनेता धनुष इस समय अपनी हॉलीवुड फिल्म 'द ग्रे मैन' को लेकर चर्चा में हैं। रूद्रो ब्रदर्स द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर होगी। अभिनेता धनुष ने अब एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म में काम से जुड़े अपने अनुभव साझा किए और फिल्म में एक्शन सीन की शूटिंग के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने हॉलीवुड और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के काम करने के बारे में भी अपनी राय रखी। 'द ग्रे मैन' में धनुष अविक सैन नाम के एक हत्यारे की भूमिका में हैं। अभिनेता ने कहा कि शायद ही फिल्म में उनके पास कोई डायलॉग हैं। वह लॉस एंजेलिस में एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात कर रहे थे और इस दौरान धनुष ने अपनी इस हॉलीवुड फिल्म के दौरान एक्शन दृश्यों की शूटिंग से जुड़े अपने अनुभव साझा किए।

उन्होंने बात करते हुए कहा कि उन्हें 'द ग्रे मैन' की शूटिंग के दौरान बिलकुल न्यू कमर जैसा महसूस हुआ। अभिनेता धनुष ने 'द ग्रे मैन' पर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यह बहुत अच्छा समय था यह समझने के लिए कि हॉलीवुड किस तरह से काम करता है। फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभव के बारे में धनुष ने कहा कि उन्होंने तकरीबन 50 फिल्में की है और भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें 22 साल हो गए है, लेकिन अक्सर आपको एक नवांगतुक की तरह महसूस करने का मौका नहीं मिलता। पहली बार सब कुछ ब्लर होता है, आपको पता नहीं होता कि क्या हो रहा है। इस बार मुझे न्यूकमर की तरह देखने का मौका मिला ये वाकई अमेजिंग था। द ग्रे मैन में एक्शन दृश्यों की शूटिंग के अपने अनुभव को साझा करते हुए धनुष ने मजाकिया लहजे में कहा कि शूटिंग के दौरान मेरी गर्दन में मोच आ गई थी। उन्होंने बताया कि शूटिंग से एक हफ्ते पहले उनकी गर्दन में मोच आई थी, इसलिए डेढ़ महीने प्रशिक्षण में बिताने के बाद फिर से फिल्म की शूटिंग शुरू की। शूट के एक हफ्ते पहले मोच आ गई, मुझे लगा कि मैं ये क्या करने जा रहा हूं। हालांकि मुझे एना की स्पीड से मैच करवाने के लिए फिजियो के पास सिर्फ एक हफ्ते का टाइम था, लेकिन किसी तरह उन्होंने स्टंट सीक्वेंस के लिए मुझे फिट करने का तरीका निकाल लिया। बात करें फिल्म 'द ग्रे मैन' की तो ये नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है और रूद्रो ब्रदर्स ने हाल ही में घोषणा की थी कि इस फिल्म के लिए वह जल्द ही भारत आ रहे है और मुंबई में 'दे ग्रे मैन' के प्रीमियर के दौरान फैंस के साथ भी रूबरू होगें।

जो अभिनेत्री कहती है कि बॉलीवुड में कम्प्रोमाइज नहीं करना होता

नई दिल्ली । मल्लिका शेरावत फिर से सुर्खियों में है। उनकी नई फिल्म आरके/आरके अगले हफ्ते रिलीज होने वाली है। मुलाकात भी उनसे इसी सिलसिले में होती है लेकिन बातचीत के शुरू में ही वह बता देती हैं, 'देखिए मैं जब भी सच बोलती हूं मुश्किल में पड़ जाती हूं। किसी भी बारे में मेरा बोलने का जो मेरा बिंदास तरीका है न, उससे मुश्किल में पड़ जाती हूं। अभी देखिए ना, इतने साल बाद भी हरियाणा में जो महिलाओं के साथ हो रहा है। हरियाणा में महिलाओं को देखने का जो नजरिया है आज तक नहीं बदला। आज भी वहां भ्रूण हत्या, ऑनर किलिंग जैसी बातें वैसी की वैसी ही हैं। इसको लेकर मैं आज भी बहुत दुखी होती हूं। जब भी मैं इस बारे में बात करती हूं तो हरियाणा वालों से बहुत डांट पड़ती है, वे लोग कहते हैं कि क्यों बोलती है ऐसा।मल्लिका के निशाने पर इन दिनों दीपिका पादुकोण भी हैं। वह उनकी फिल्म 'गहराइयां' की तुलना अपनी फिल्म 'मर्डर' से करते हुए कहती हैं, 'अभी कुछ समय पहले एक फिल्म 'गहराइयां' आई थी जिसमें दीपिका पादुकोण ने काम किया था। आपने वह फिल्म देखी होगी, क्या था उसमें उस फिल्म के सीन 'मर्डर' से भी ज्यादा बोल्ड थे।

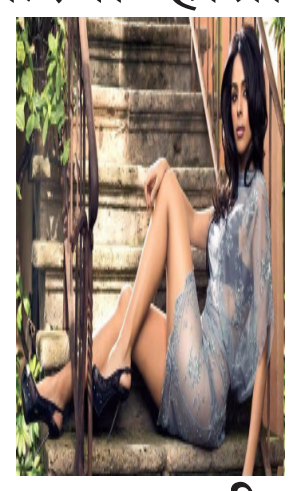

'ब्रो' से पहले सहेली यहां बनी भाईजान, जया-रणधीर की 'जवानी दिवानी' के 50 साल पूरेएक घरेलू सी

नई दिल्ली । सुंदर दिखने वाली लड़की जो कुछ बंगाली फिल्में करने के बाद साल भर पहले ही फिल्म 'गुड्डी' में अपनी छाप छोड़ने में सफल रही थी, उसने फिल्म 'जवानी दिवानी' तक आते आते लाज को अपनी अदा बनाया और पहली बार ये भी दिखाया कि शोखियां सिर्फ हुस्न परियां ही नहीं बल्कि घरेलू लड़कियां भी दिखा सकती है। जया भादुड़ी और रणधीर कपूर की फिल्म 'जवानी दिवानी' 14 जुलाई 1972 को रिलीज हुई। मुंबई में फिल्म का मेन थिएटर रहा जमुना और इस फिल्म की रिलीज के 50 साल पूरे होने के साथ ही लोगों को फिर याद आए इसके कलाकार, इसके बनाने वाले और इसके गाने, खासतौर से इसके कालजयी गाने, 'ये जवानी है, दिवानी, रुक जाओ रानी, चली कहां ऐसे..' 'सामने ये कौन आया दिल में हुई हलचल' और 'जाने जां ढूंढता फिर रहा हूं तुम्हें रात दिन'गुड्डी' वाली मासूम, भोली सी जया भादुड़ी को लंबे, घने, काले लहराते हुए बालों के साथ शर्ट पैंट पहने डिस्को में अपनी छोटी सी गुड़िया को थामे लहराते बलखाते देखना उस समय के दर्शकों के लिए 'सरप्राइज' रहा। हीरो ने तारीफ में दो कसीदे पढ़े तो जया के होंठ भी गोलाइयां बनाने लगे थे। हिंदी सिनेमा ने आठवें और नौवें दशक की फिल्मों के चलते अपनी एक छवि ऐसी भी गढ़ीं जिसमें हीरो हीरोइन एक खास खांचे से निकले दिखते रहे हैं। स्टाइलिश सा हेयर स्टाइल, रंग बिरंगे चमकते कपड़े, बदन पर चिपकती शर्ट और कमर के नीचे से फर्श तक फैलते जाते बेलबॉटम, कमर में चौड़ी सी चमड़े की बेल्ट और गाना शुरू होते ही कैमरे के फ्रेम में आ जाने वाले दर्जन, दो दर्जन डांसर्स। मामला कुछ कुछ ऐसा ही फिल्म 'जवानी दिवानी' की शुरुआत में भी दिखता है लेकिन कहानी या थोड़ी अलग है और म्यूजिक तो बिल्कुल ही अलग। आर डी बर्मन ने इस फिल्म के गानों में अपना एक अलग ही अंदाज दिखाया। फिल्म में किशोर कुमार और आशा भोसले ने जो कर दिखाया है वह बताने की नहीं सुनने की चीज है। फिल्म का एक गाना है, 'जाने जां, ढूंढता फिर रहा हूं तुम्हें रात दिन..!' इस गाने में किशोर कुमार और आशा भोसले के स्वरों को जिस तरह गायकी के विपरीत सिरों पर रखकर आर डी बर्मन ने ये गाना कंपोज किया है, वह उनकी कलाकारी का बेहतरीन नमूना है। किशोर कुमार ने तो खैर 'सामने ये कौन आया' और 'ये जवानी है दिवानी' दोनों गानों में कमाल ही कर दिया है। ये उस दौर के गाने हैं जब किशोर कुमार की आवाज उन दिनों के सुपरस्टार राजेश खनन की आवाज बन चुकी थी लेकिन किशोर कुमार का कलाकारी में कोई सानी नहीं। यहा गाना रणधीर कपूर पर है तो वह अपनी खास स्टाइल में एक नया

मिक्स लाते हैं और गाते हैं, गिली गिली अप्पा, गिली गिली अप्पा, पिली पिली पिली. फिल्म 'जवानी दिवानी' में मोहब्बत की एक नहीं बल्कि दो दो कहानियां हैं और वह भी दो पीढ़ियों की। 'गुड्डी' और 'उपहार' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाने के बाद जया भादुड़ी ने इस फिल्म में अपना लुक और अपना स्टाइल दोनों बदला। इस बार वह स्कूल जाने वाली गुड्डी नहीं थीं, बल्कि जूड़ा बनाए, चमकीली साड़ियां या फिर दमकती कमीज पैंट्स पहने वाली ऐसी लड़की के किरदार में हैं जो करीब से गुजर जाए तो फ्लर्ट करने सा एहसास देती है। ठाकुर की बेटी हैं। कॉलेज में पढ़ती हैं। राह चलते कोई बेवकूफ बनाने की कोशिश करे तो गाड़ी के इंजन में कचरा कैसे लाया जाता है, ये भी जानती हैं। जिससे प्यार होता है, वह उस मुनीम के लड़के का छोटा भाई है, जिससे उसकी बुआ ने प्यार किया और शादी की। ये बुआ बनी हैं निरूपा रॉय। परदे पर बेहद आभामयी दिखतीं निरूपा रॉय। तब तक वह मां वाले खांचे में कैद नहीं हुई थी। 'दीवार' रिलीज होना अभी बाकी थी। वैसे क्या आपको पता है कि निरुपा रॉय सबसे पहले परदे पर किस हीरो की मां बनीं? ये फिल्म थी, 1955 में रिलीज हुई 'मुनीमजी' और इस फिल्म में वह मां बनी थी अपने से सात साल छोटे देव आनंद की। फिल्म में रणधीर कपूर, जया, निरुपा औ? बलराज साहनी के अलावा एक और किरदार है जो इस फिल्म को देखने वाले हर शख्स को याद रहा और वह है फिल्म में रणधीर कपूर के दोस्त बने सत्येन कप्पू। सत्येन कप्पू तब तक अपना नाम सत्येंद्र कपूर ही लिखते थे। काबिल कलाकार रहे हैं और यहां इस फिल्म में तो उन्होंने एक दो बार नहीं बल्कि तीन बार कमाल किए हैं। डीजे के तौर पर जो उन्होंने किया सो किया ही लेकिन जिस सीन में वह रणधीर कपूर के भाई बनकर टीचर से मिलने जाते हैं, वह दृश्य देखने लायक है। और, एक औ? सीन जिसमें सत्येन कप्पू बिल्कुल अदाकारी के उस्ताद के तौर पर परदे पर नजर आते है, वह है फिल्म का वह सीन जिसमें वह जया भादुड़ी के पिता से मिलने जाते हैं फिल्म को नरेंदर बेदी ने उन दिनों की युवा पीढ़ी के तौर तरीकों के करीब रखने में कामयाबी पाई है। इन दिनों जिस तरह लड़कियों एक दूसरे को 'ब्रो' या 'डूड' कहकर बुलाती हैं, फिल्म में रणधीर कपूर अपनी एक महिला दोस्त को 'भाईजान' कहकर बुलाते हैं। फिल्म की कहानी और पटकथा इंदर राज आनंद ने लिखी है और उस दौर के अमीरी गरीबी वाले फॉर्मूले की फिट कहानी है। और, फिल्म के संवाद लिखे हैं कादर खान ने। बतौर संवाद लेखक कादर खान ने इसी फिल्म से हिंदी सिनेमा में अपना करियर शुरू किया। कादर तब प्राध्यापक थे और शौकिया तौर पर थिएटर किया करते थे। एक नाटक देखने के बाद फिल्म 'जवानी दिवानी' के निर्देशक नरेंदर बेदी ने उन्हें फिल्मों में संवाद लिखने का न्योता दिया। और, ये कादर खान के ही जिगरे का कमाल था कि फिल्म में हीरो की तोंद निकलने पर उसे उसका बड़ा भाई ताना दे सकता है। जया भादुड़ी से पहले फिल्म में ये रोल रीमा सरू को ऑफर हुआ था।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
प्रयागराज

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते है। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके है। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए है। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे है इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे है। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं है ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते है। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डी जी ई टी -6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मैंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274